RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 21 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 12-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए ऑनलाइन सेतु एप होगा लागू

6 छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड क्यों?

7 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू

फर्स्ट टेक

नासा ने भारत को 'मून बेस मिशन' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत, नासा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मनुष्यों के लिए ठिकाना बनाने के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 'मून बेस मिशन' नामक इस परियोजना का उद्देश्य चालक दल वाले और मानवरहित अभियानों की एक शृंखला के जरिए अंतरिक्ष यात्रियों के रहने, काम करने और खोज-अन्वेषण के लिए एक स्थायी ठिकाना स्थापित करना है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य वैज्ञानिक खोज के रास्ते खोलना और भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए तैयारी करना है।

श्रीलंका में नयी आव्रजन व्यवस्था को मंजूरी, भारत से लौटने वालों को होगी आसानी

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका सरकार ने भारत में रह रहे उन शरणार्थियों की स्वैच्छिक वापसी को आसान बनाने के लिए विशेष आव्रजन व्यवस्था को मंजूरी दी है जो दशकों लंबे गृहयुद्ध के दौरान बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के श्रीलंका छोड़कर चले गए थे। मंगलवार को यहां जारी मंत्रिमंडल की एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त के सहयोग से लौटने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य उन शरणार्थियों के सामने आने वाली कानूनी अड़चनों को दूर करना है, जो बिना मंजूरी के श्रीलंका छोड़कर गए थे। व्यवस्था के तहत, एक अगस्त 2006 से पहले बिना पासपोर्ट के देश छोड़ने वाले श्रीलंकाई नागरिकों की राज्य खुफिया सेवा द्वारा जांच की जाएगी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि उन पर हत्या, राजद्रोह या अन्य अपराधों का आरोप तो नहीं है।

सीरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति असद को मौत की सजा सुनाई

दमिश्क/एपी। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई को मौत की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें सीरिया के 14 साल लंबे संघर्ष के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों के लिए सुनाई गई। इस संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। उन्हें अदालत में उनकी अनुपस्थिति में यह सजा सुनाई गई।

12-07-2026 सूर्यास्त 6:42 बजे | 13-08-2026 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
78,154.25	24,471.70
(-388.19)	(-112.10)

सोना	चांदी
15,978 रु.	242,308 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल बहनें

नहीं निरापद राजमार्ग भी,
अपराधों के नाम हुए।
चैन स्नैचिंग चैराहों पर,
गैंग रेप अब आम हुए।
गुण्डे जब भाई कहलाते,
रिश्ते भी बदनाम हुए।
बहनों की रक्षा हो कैसे,
तंत्र सभी नाकाम हुए।।

मंगल मिलन

संसद के मानसून सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक में राष्ट्रीय ध्वज लहराते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वतंत्रता दिवस गर्व के साथ मनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस को सम्मान, गर्व और गौरव के साथ मनाने तथा विकसित भारत का संकल्प लेने का आग्रह किया। मोदी ने 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में यह बात कही और एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद और कई केंद्रीय मंत्री तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका अभिवादन करते नजर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, ''आइए, हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें। हम एक विकसित भारत का संकल्प लें। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा। आइए, हम हर घर पर तिरंगा फहराएं। भारत माता की जय, वंदे मातरम, वंदे मातरम, वंदे मातरम।'' इससे पहले, संसद भवन परिसर में राजग संसदीय दल की बैठक के आयोजन स्थल जीएमसी बालयोगी सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रवेश करने पर सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और ''भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी तिरंगा लहराया। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। राजग के घटक दलों के नेताओं में जद(एस) के एचडी कुमारस्वामी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरपीआई (ए) के रामदास आठवले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय सहित अन्य मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे।

बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक आयोजित की जाती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को संपन्न होगा। बैठक के तुरंत बाद, राजग सांसदों ने संसद के 'मकर द्वार' के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां उनका आमना-सामना विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के सांसदों से हुआ, जो विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

दक्षिण अफ्रीका में बंद खदान में 14 खनिक मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/एपी। दक्षिण अफ्रीका में एक बंद पड़ी खदान में कम से कम 14 खनिक मृत पाए गए और कई अन्य घायल मिले। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'साउथ अफ्रीकन पुलिस सर्विस' ने बताया कि ये खनिक जोहानिसबर्ग से लगभग 130 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में रस्टेनबर्ग शहर के पास एक खदान में मृत पाए गए। इसने कहा कहा कि प्रांतीय पुलिस आयुक्त घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका में छोटे स्तर पर काम करने वाले ऐसे हजारों खनिक हैं जो सोने और प्लेटिनम की उन खदानों में गैर-कानूनी तौर पर काम करते हैं जिनका इस्तेमाल अब खनन कंपनियां नहीं करती हैं। ये अनौपचारिक खनिक अक्सर बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं और कभी-कभी बचे हुए भंडार की तलाश में हफ्तों तक जमीन के नीचे रहते हैं।

राष्ट्रपति ने वंदे मातरम् के अपमान को अपराध बनाने वाले विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उस विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या उसे रोकने को अपराध बनाया गया है। इस कानून के तहत वंदे मातरम को वही कानूनी संरक्षण मिलेगा, जो वर्तमान में राष्ट्रगान को प्राप्त है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 कानून बन गया है। लोकसभा में 30 जुलाई को यह विधेयक पारित हुआ था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी।

इस कानून के तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा प्राप्त है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लालकिले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन को जानबूझकर रोकना या ऐसे गायन में शामिल किसी सभा में व्यवधान डालना प्रतिबंधित था। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। वहीं, दूसरी और उसके बाद की प्रत्येक दोषसिद्धि पर कम से कम एक साल की जेल की सजा का प्रावधान था। हालांकि, पुराने कानून में राष्ट्रगीत वंदे मातरम को इसी तरह का कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं था।

झारखंड विधानसभा की ओर मार्च के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को रांची में राज्य विधानसभा की ओर मार्च कर रहे एबीवीपी के 110 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने जैसे ही रांची के पुराने विधानसभा क्षेत्र से मार्च शुरू किया, उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस बीच, प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को ले जा रही बस को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की, जिसके बाद उनकी पुलिस के साथ झड़प हो गई। मार्च के दौरान पुलिस की ओर से कुछ महिला प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिए जाने की खबर है।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक लड़की सहित दो छात्र बेहोश हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने लड़की को पास के एक छायादार क्षेत्र में पहुंचाया, जहां साथी प्रदर्शनकारियों ने उसे पानी पिलाया। एबीवीपी ने छात्रों के खिलाफ पुलिस के कथित अत्याचार पर सरकार से जवाब मांगा। उसने दावा किया कि विधानसभा की ओर विरोध मार्च के दौरान रांची पुलिस ने संगठन के 200 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा ने कहा, विधानसभा की ओर मार्च के दौरान एबीवीपी के करीब 110 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। एबीवीपी कार्यकर्ता कुमार दिव्यांशु ने कहा कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु के लिए 15 दिन तक 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े कर्नाटक : सीडब्ल्यूआरसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया कि वह अगले 15 दिन तक तमिलनाडु के लिए हर दिन कावेरी नदी से 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े। यह निर्देश नदी के पानी के बंटवारे को लेकर दक्षिण के इन दो राज्यों के बीच जारी विवाद के बीच दिया गया। यह निर्देश सीडब्ल्यूआरसी की बैठक में जारी किया गया, जिसकी अध्यक्षता इसके अध्यक्ष विनीत गुप्ता ने की। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) की बैठक आज बाद में होनी है।

सीडब्ल्यूएमए ने पूर्व में कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़े। सीडब्ल्यूआरसी ने 28 जुलाई को हुई अपनी बैठक में निर्देश दिया था कि कर्नाटक 29 जुलाई से 15 दिन तक बिलिगुंड्लु में 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित करे। इसके बाद सीडब्ल्यूएमए ने आदेश को बरकरार रखा और कर्नाटक को इसका पालन करने का निर्देश दिया। हालांकि, तमिलनाडु ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक तय मात्रा में पानी नहीं छोड़ रहा।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच बिलिगुंड्लु में पानी का बहाव 158 क्यूसेक से 550 क्यूसेक के बीच दर्ज किया गया। ताज़ा घटनाक्रम इस मुद्दे पर तमिलनाडु की कानूनी चुनौती के बीच हुआ है। उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर तमिलनाडु सरकार की याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगा।

अभिषेक पोरेल 'बलात्कार' के आरोपों में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को हुगली जिले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर मेडिकल की एक छात्रा ने शादी का वादा करके कथित तौर पर यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हुगली (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक कुनार भूषण सिंह ने पीटीआई को बताया, ''उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उन्हें गिरफ्तार करने का अदालत का आदेश था। उन्हें कल देर रात गिरफ्तार किया गया। उन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा।'' पोरेल को मोगरा पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार किया और उन्हें मंगलवार को चिनसुरा की एक कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

यह गिरफ्तारी तब हुई जब 20 जुलाई को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पुलिस को मामले के सिलसिले में क्रिकेटर को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। अदालत ने शिकायतकर्ता की तस्वीरों के प्रसार को रोकने के लिए उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त करने का भी आदेश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने पोरेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के अलावा धारा 311 और 318 और बीएनएस के अन्य प्रावधानों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और 72 के तहत मामला दर्ज किया है।

सरकार ने 10 व 20 रुपये के एक अरब प्लास्टिक नोट के चलन के लिए दी मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार ने क्षेत्रीय परीक्षणों के लिए 10 और 20 रुपये के एक अरब प्लास्टिक बैंक नोटों की शुरुआत के लिए मंजूरी दे दी है। उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश के साथ, क्षेत्रीय परीक्षणों के लिए 10 और 20 रुपये के एक अरब पॉलिमर बैंक नोट की शुरुआत के लिए और क्षेत्रीय परीक्षणों के सफल समापन के बाद इन दो मूल्यवर्गों में ऐसे बैंक नोटों के नियमित निर्गमन के लिए सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के अनुसार, एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि विपणन प्रक्रिया अभी प्रारंभिक चरण में है। इसलिए, इस समय, व्यावहारिक रूप से पॉलिमर बैंक नोट की शुरुआत के लिए सटीक समय-सीमा या उस पर होने वाले संभावित व्यय का निर्धारण करना संभव नहीं होगा। वित्त मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई औसत खुदरा मुद्रास्फीति 2023-24 के 5.4 प्रतिशत से लगातार घटकर 2024-25 में 4.6 प्रतिशत और 2025-26 में 2.1 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण मूल्यों के झटके और बढ़े हुए वैश्विक ऊर्जा मूल्यों, सब्जियों के दामों में मौसमी तेजी और अपेक्षित प्रतिकूल अल नीनो के कारण, 2026-27 की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई।

'इतिहास मनमोहन सिंह को सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में याद रखेगा'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को भारत के बेहद सौम्य, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में याद रखेगा। सोनिया गांधी ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को हाल में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में उच्चतम न्यायालय से 'क्लीन चिट' मिलने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने एक लेख में इस बात पर जोर दिया कि जनवरी, 2014 में सिंह द्वारा की गई राजनीतिक भविष्यवाणी अब हर गुजरते दिन के साथ अधिक स्पष्ट होती जा रही है। उनका इशारा सिंह के उस समय दिए गए एक बयान की ओर था, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था कि नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए ''विनाशकारी'' साबित होगा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस' के लिए लिखे गए एक लेख में कहा कि सिंह के ईमानदारी के रिकॉर्ड की तुलना में मोदी सरकार का रिकॉर्ड बिल्कुल विपरीत है। सोनिया गांधी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते समय सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख थीं। उनके मुताबिक, 29 जुलाई, 2026 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण लेकिन 'अनदेखा'' दिन था, जब उच्चतम न्यायालय ने कथित कोयला घोटाला मामले में सिंह को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट' के आधार पर दी गई 'क्लीन चिट' को बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट' खारिज करने और तत्कालीन प्रधानमंत्री सिंह के खिलाफ बिना किसी ठोस कारण'' प्रतिकूल टिप्पणियां करने को भी गलत ठहराया। उन्होंने कहा,'' यह हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक, डॉ. सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत है। वह असाधारण शुचिता और ईमानदारी वाले व्यक्ति थे।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद इन दिनों देश के छात्रों को उन पर हमला करने के लिए ''माफ'' कर रहे हैं, इसलिए शायद वह सिंह को अमर्यादित तरीके से ''बदनाम करने'' के लिए खुद को भी माफ कर सकते हैं।

कोलंबिया में भूकंप के बाद 3,000 से अधिक लोगों की तलाश जारी

बोगोटा (कोलंबिया)/एपी। पश्चिमी कोलंबिया के कई शहरों और कस्बों में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद मंगलवार को खोज और बचाव अभियान फिर से शुरू किया गया। भूकंप के कारण 3,000 से अधिक लोग लापता हैं और बड़ी संख्या में लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। कैली, पेरेइरा, चोको और मानिजालेस के मेयर और गवर्नर ने मंगलवार को बताया कि इन चार क्षेत्रों में कम से कम 179 लोगों की मौत हुई है। वहीं, संघीय सरकार ने सोमवार को जारी अपने अंतिम आधिकारिक आंकड़े में मृतकों की संख्या 111 बताई थी। करीब 1,600 इमारतों के क्षतिग्रस्त होने या ढह जाने की खबर है। सैनिक, बचावकर्मी और स्थानीय लोग मलबा हटाने में जुटे हैं। स्वयंसेवकों की कतार बनाकर कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े हाथों से हटाए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र रहे चोको क्षेत्र कोलंबिया के सबसे गरीब और उपेक्षित इलाकों में से एक है, जहां अक्सर सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष होता रहता है। इस क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों तक केवल नाव, जंगल के रास्ते या हवाई मार्ग से ही पहुंचा जा सकता है, इसलिए वहां हुए नुकसान की पूरी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है।

क्रोध और अहंकार कांटों के समान, क्षमा और सरलता जीवन के फूल : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने मंगलवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम चिंतन-मनन करें तो पाएंगे कि क्रोध, नफरत, वैर, ईर्ष्या और अहंकार जीवन के कांटे हैं, फिर भी विडंबना यह है कि हमें इन्हीं से अधिक लगाव रहता है। दूसरी ओर प्रेम, स्नेह, क्षमा, सरलता और दया जीवन के फूल हैं, लेकिन इनके प्रति हमारा आकर्षण अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि क्रोध कांटा है और क्षमा फूल है। फूल कभी जख्म नहीं देता और जो जख्म दे, वह फूल नहीं हो सकता, इसलिए जीवन में क्षमा, प्रेम, सरलता और सहिष्णुता रूपी फूलों से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नम्रता कभी जख्म नहीं देती, जबकि अभिमान किसी न किसी को जख्म दिए बिना नहीं रहता।

प्रवचन के दौरान द्रौपदी के प्रेरक प्रसंग के माध्यम से भी मुनिश्री ने यह समझाया कि जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन व्यक्ति को अपने आचरण और दृष्टिकोण को संतुलित रखना चाहिए। विद्यार्थियों और युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि असफलता से निराश न हों, जीवन अनमोल है। यदि पूरी मेहनत करने के बाद भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आया, तो निराश या हताश होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी असफलता के डर से आत्महत्या जैसा कदम कभी न उठाएं। एक परीक्षा या एक परिणाम पूरे जीवन का निर्णय नहीं करता। व्यक्ति को असफलता से सीख लेकर दोबारा प्रयास करना चाहिए। किसी विद्यार्थी के गलत कदम से केवल उसका जीवन ही समाप्त नहीं होता, बल्कि माता-पिता, परिवार और उससे जुड़े लोगों को भी जीवनभर गहरा दुख झेलना पड़ता है।

इसलिए जीवन में चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें और नकारात्मकता का त्याग करें। रात्रिकालीन चौमुखी जाप आराधना भी गतिमान है। संचालन जम्बुकुमार दुग्गड़ ने किया। चातुर्मास समिति की ओर से उपस्थित श्रद्धालुओं व अतिथियों का सम्मान रमेश सिसोदिया ने किया।

दर्पण फाउंडेशन का 51वाँ उपनिषद 14 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आध्यात्मिक चिंतकों, संतों, और विशुद्ध जिज्ञासुओं के बीच अपना अलग स्थान बना चुके दर्पण फाउंडेशन की उपनिषद श्रृंखला अर्धशतक पूरा कर चुकी है। 51वाँ उपनिषद सहज स्मृति योग प्रणेता गुरुजी नंदकिशोर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) से सेवानिवृत्त और पद्मश्री-सम्मानित डॉ के के मुहम्मद के साथ शुक्रवार 14 अगस्त को सुबह 10 बजे से जैन मानद् विश्वविद्यालय के जयनगर स्थित नवें ब्लॉक कैंपस में आयोजित होगा। उपनिषद का विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय धरोहर भाग-दो रखा गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बटेश्वर मंदिरों के जीर्णोद्धार और श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ स्थल अयोध्या पर पुरातात्विक साक्ष्यों से जुड़े कार्यों के लिए ख्याति लब्ध केके मुहम्मद का यह गुरुजी के साथ दूसरा उपनिषदीय संवाद होगा।

पहला उपनिषद पाँच वर्ष पूर्व 2021 में हुआ था इसलिए इसे भारतीय धरोहर भाग-दो नाम दिया गया है। ज्ञातव्य है कि पूर्व में जैन यूनिवर्सिटी में सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ भी उपनिषद आयोजित हुआ था जिसे युवाओं ने बहुत पसंद किया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पूर्व कश्मीर घाटी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में स्वतंत्रता दिवस समारोहों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए बहुस्तरीय मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की गई है। घाटी के पुलिस प्रमुख वी के बिड़दी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी।

यहां 'बलिदान स्तंभ' पर तैयारियों का जायजा लेने के बाद कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बिड़दी ने पत्रकारों से कहा कि सुरक्षा के सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर पुलिस न सिर्फ श्रीनगर में, बल्कि घाटी के विभिन्न जिलों में भी हमेशा मज़बूत सुरक्षा प्रबंध बनाये रखती है। न सिर्फ खास आयोजन स्थलों पर, बल्कि शहर के आस-पास के इलाकों में भी कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था की गई है।''

अनंतनाग और पुलवामा में हाल में हुए हमलों की जांच के बारे में पूछे जाने पर आईजीपी ने कहा, ''जांच चल रही है, इसलिए अभी इस बारे में कुछ बताना सही नहीं होगा। जब भी हमारे पास आपके साथ साझा करने के लिए कोई स्पष्ट जानकारी या ब्योरा होगा, तो हम सही समय पर उसे आपके साथ साझा करेंगे।'' उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस समारोहों में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''यह एक सार्वजनिक कार्यक्रम है। इसमें पुलिस केवल सहायक या आयोजक की भूमिका निभाती है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे बड़ी संख्या में इन कार्यक्रमों में भाग लें और इन्हें सफल बनाएं।'' उन्होंने घाटी के सभी जिलों में स्वतंत्रता दिवस समारोह और अन्य कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा एवं अन्य इंतजामों का जायज़ा लेने के लिए यहां एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक, अतिरिक्त आयुक्त (एसबी श्रीनगर) और संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बिरदी को सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में बताया। जिला पुलिस प्रमुखों ने भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए अपने-अपने ज़िलों में की जा रही तैयारियों और सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में उन्हें जानकारी दी। बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे खास तौर पर संवेदनशील और जोखिम वाले इलाकों में नियंत्रण और गश्त बढ़ाएं।

उन्होंने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए सुरक्षा इंतज़ामों का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर लें। पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संवेदनशील जगहों और शहर में आने-जाने के रास्तों एवं सुरक्षा चौकियों को और मज़बूत करें। सुरक्षा के कड़े इंतज़ामों के तहत, पुलिस ने लाल चौक और शहर के अन्य इलाकों में अचानक चेकिंग और तलाशी ली।

अणुव्रत समिति विजयनगर की पहली वार्षिक साधारण सभा संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत समिति विजयनगर ने मंगलवार को विजयनगर तेरापंथ भवन में पहली वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया। समिति के परामर्शक राकेश दुधोड़िया ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया तथा गतिविधियों की जानकारी दी।

मंत्री अरिहंत कावड़िया ने संचालन करते हुए वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने विजयनगर समिति के कार्यों की सराहना की। कोषाध्यक्ष द्वारा समिति के आय-व्यय एवं कोष संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गई।

सभा के प्रेम चावत, महिला मंडल की महिमा पटवारी तथा तेयुप के अध्यक्ष पवन बैद, समिति के परामर्शक एलजी डागा, सुमित्रा बरड़िया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

तेरापंथ भवन गांधीनगर में तेरहरंगी तप अनुष्ठान का हुआ आयोजन

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन, गांधीनगर में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तेरहरंगी तप अनुष्ठान का आयोजन तप अनुमोदना से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं, तपस्वियों, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। सभा के अध्यक्ष प्रकाशचंद बाबेल ने सभी का स्वागत किया। महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा, कार्यसमिति सदस्य संजय बांठिया, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष माणकचन्द बलदोटा, महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा तथा युवक परिषद के अध्यक्ष विनोद कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ॐ अ.भि.रा.शि. को नमः मंत्र का सवा लाख जप अनुष्ठान करवाया गया, जिसमें लगभग 525 व्यक्तियों ने भाग लिया। साध्वीश्री रम्यप्रभाजी ने 13 दिनों की तपस्या की। तपस्वी रमेश कोठारी की तपस्या के लिए समिति ने सम्मान किया।

कार्यक्रम संयोजिका शांति सकलेचा ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र घोषल ने तेरहरंगी तप की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। साध्वीश्री पावन प्रभाजी ने कहा कि तप आत्मशुद्धि एवं कर्मनिर्जरा का श्रेष्ठ मार्ग है। जिस प्रकार सोना अग्नि में तपकर कुंदन बनता है, उसी प्रकार तपस्या के माध्यम से आत्मा कर्मों की निर्जरा कर अधिक निर्मल एवं उज्ज्वल बनती है। साध्वीश्री आत्मयशाजी एवं साध्वीश्री उन्नतयशाजी ने भी तपस्वियों की तपस्या के प्रति अनुमोदना की। इक्कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री सुभाष पोखरणा ने किया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया

रायपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी उन्हें अदालत में पेश कर हिरासत का अनुरोध करेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष अग्रवाल को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लयू) ने अग्रवाल को ''कुछ घोटाले'' से संबंधित मामलों की जांच के सिलसिले में जुलाई में गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, यह कथित शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच उस वक्त हुआ था जब छत्तीसगढ़ में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक हस्तियों के ''एक आपराधिक'' सिंडिकेट ने छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग को पूरी तरह से ''अपने नियंत्रण'' में ले लिया था, जिससे राज्य को 2,883 करोड़ रुपये के राजस्व का ''भारी नुकसान'' हुआ।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 15 अगस्त को नागपुर में 'जेन-जी' से करेंगे संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत 15 अगस्त को यहां लोकमत मीडिया समूह द्वारा आयोजित किये जा रहे एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं से बातचीत करेंगे। आयोजकों ने यह घोषणा की।

यह कार्यक्रम आरएसएस सरसंघचालक के मुंबई में एक कार्यक्रम में 'जेन-जी' से संवाद करने के कुछ दिन बाद होने वाला है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, भागवत सुबह 9:30 बजे कस्तूरचंद पार्क में ध्वजारोहण करेंगे। इसी पार्क में मार्च महीने में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकमत मीडिया समूह द्वारा लगाए गए 200 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन किया था।

बयान के मुताबिक, ध्वजारोहण के बाद एक विशेष कार्यक्रम होगा, जहां भागवत 'भारत के उज्ज्वल भविष्य में युवाओं का योगदान' विषय पर युवाओं से संवाद करेंगे। बयान के अनुसार, लोकमत मीडिया समूह के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. विजय दर्डा के विचार पर आधारित इस खास पहल का आयोजन लोकमत समूह और नागपुर नगर निगम ने संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, महापौर नीता ठाकरे, नगर आयुक्त डॉ. विपिन इतांकर और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी।

मीडिया समूह ने कहा कि मुंबई में 'जेन-जी' के साथ भागवत की बातचीत से देश-विदेश में काफी चर्चा शुरू हो गयी।

सरसंघचालक अब नागपुर में युवाओं से बातचीत करने वाले हैं। चूंकि, नागपुर आरएसएस का मुख्यालय भी है, इसलिए इस कार्यक्रम को खास दिलचस्पी के साथ देखा जा रहा है।

नैतिकता ही है धार्मिकता का आधार स्तंभ : संतश्री कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थाकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को आचार्यश्री आनंद ऋषिजी की जयंती पर कहा कि आध्यात्मिक कर्मकांड का ढोल पीटने वाले, दुहाई देने वालों के जीवन में नैतिकता और ईमानदारी का समावेश नहीं हुआ तो उनकी साधना आत्मकल्याण के लिए सार्थक नहीं हो सकती, बल्कि कर्म बंधन का कारण बनेगी। मुनि ने कहा कि बिना नैतिकता के तीन काल में भी कठोर से कठोर साधना कर ले फिर भी धार्मिकता में प्रवेश नहीं हो सकता। विश्व के सभी धर्मों ने नैतिकता को धार्मिकता का आधार बताया है। संतश्री ने कहा कि पहले नैतिक बनें बाद में धार्मिकता की शुरुआत करें। इसंतश्री ने बताया कि जहां पर नैतिकता है वहीं पर परमात्मा और धर्म का निवास होता है। संचालन मंत्री बुधमल बाघमार करते हुए बताया कि 15 अगस्त को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

कर्मों का क्षय कर मृत्यु को महोत्सव बनाएं : अभिजीतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि पुण्य से पुण्य बढ़ाओ और पुण्य से पाप घटाओ। प्रभु महावीर के समोशरण का प्रसंग सुनाते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके सारे पाप कर्मों का क्षय हो जाता है उसका मरण अच्छा होता है। व्यक्ति को अपने कर्मों का क्षय कर मृत्यु को महोत्सव बनाना चाहिए। जो निरन्तर सेवा धर्म में लगा रहता है, उसका जीना-मरना दोनों अच्छा है और जो हिंसा में लिप्त है उसका जीवन व्यर्थ है। कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार पोरवाल ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाक़ात

बेंगलूरु में कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय के मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज जैन से प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जैन समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज की विभिन्न लंबित मांगों एवं समस्याओं को मुख्य सचिव के समक्ष रखते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए मंत्रालय स्तर पर आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। इस मौके पर दपरे जिला रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी, कर्नाटक इनरवेयर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गौरव शर्मा भी उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने संसद को बंधक बना लिया है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

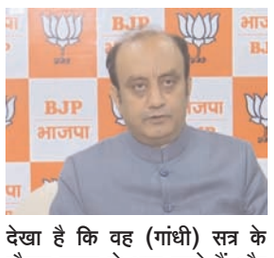

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अपनी ''मनमानी और अनियंत्रित व्यवहार' से संसद को बंधक बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह सदन में कोई सार्थक चर्चा नहीं चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पाटी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने नीट और छात्रों के मुद्दों से संबंधित राहुल गांधी की कई मांगें मान ली हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी संसद में विस्तृत बयान देने को तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस नेता भाग रहे हैं।

त्रिवेदी ने कहा, ''आप सभी ने देखा है कि वह (गांधी) सत्र के दौरान सदन से भाग जाते हैं और सत्र खत्म होने के बाद विदेश चले जाते हैं... लेकिन विदेश जाने से पहले, थोड़ी हिम्मत जुटाइए और गृह मंत्री अमित शाह का बयान सुनने का साहस दिखाइए।'' भाजपा का यह बयान सरकार की उस घोषणा के एक दिन बाद आया है जिसमें कहा गया था कि शाह देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर होने वाली बहस का जवाब देंगे। लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट कर कर दिया है कि संसद में उसका विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में माफी नहीं मांगते। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि ''देश को संसद में आम विषयों'' पर शाह की राय में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह यह जानना चाहता है कि क्या उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था। भाजपा प्रवक्ता ने गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा, मुझे लगता है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि देश के सबसे ऊंचे सदन को कोई बिगड़ैल राजकुमार अपने मनमाने व्यवहार और सनक के कारण बंधक बना लेगा।

त्रिवेदी ने कहा, ''एक-एक करके उनकी मांगें पूरी की गई हैं। उन्होंने कहा कि नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा)से जुड़े नियमों में बदलाव होने चाहिए, और इसे मान लिया गया।

गृह मंत्री ने फिर साबित किया कि डराने-धमकाने वाले 'खुद कायर' होते हैं: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद के वर्तमान मानसून सत्र में अब तक लोकसभा और राज्यसभा से अनुपस्थित रहे हैं तथा उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि डराने-धमकाने वाले ''खुद कायर'' होते हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने संसद के दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कहा कि ''खबरें प्लांट करने'' और विमर्श बदलने की कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री सदन में नहीं आ सके। केंद्रीय गृह मंत्री आज भी लोकसभा में नजर नहीं आए, जबकि सदन की कार्यसूची में उनके नाम के आगे विधायी कामकाज सूचीबद्ध था।

भाजपा को मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए : केरल के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मंगलवार को कहा कि कथित कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बरी किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्व प्रधानमंत्री से माफी मांगनी चाहिए। सतीशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्चतम न्यायालय के 29 जुलाई के फैसले से यह साबित हो गया कि सिंह की ईमानदारी पर कभी कोई शक नहीं था। मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के लेख का जिक्र करते हुए ये बात कही। लेख का शीर्षक था, 'इतिहास डॉ. मनमोहन सिंह को प्रभावशाली प्रधानमंत्री के रूप में याद रखेगा'।

सतीशन ने इसी पोस्ट में कहा कि वर्षों तक सिंह के कामकाज के रिकॉर्ड को दबाने और उन्हें बदनाम करने के लिए लगातार अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा, ''वर्षों तक एक मनगढ़ंत घोटाले और लगातार बदनाम करने के अभियान का इस्तेमाल करके उस व्यक्ति के कामकाज के रिकॉर्ड को दबाने की कोशिश की गई, जिसने भारत को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, वन अधिकार अधिनियम और शिक्षा का अधिकार जैसे कानून दिए। इसमें राज्यसभा में की गई वह अमर्यादित रेनकोट' वाली टिप्पणी भी शामिल है।''

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''आज 'द इंडियन एक्सप्रेस' में सोनिया गांधी का लेख इस बात को स्पष्ट और गरिमापूर्ण ढंग से रखता है और इसे पूरा पढ़ा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इतिहास सिंह को एक शांत और सौम्य व्यक्ति के रूप में याद रखेगा, जो इस गणतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रधानमंत्रियों में से ''एक'' थे। सतीशन ने कहा, ''भाजपा को उनसे माफी मांगनी चाहिए।''

कल कर्नाटक बंद का आह्वान

बेंगलूरु। कर्नाटक में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के उस आदेश के खिलाफ किसानों और कन्नड़ संगठनों ने छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए, जिसमें राज्य को 12 अगस्त से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए रोजाना 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया है। मांड्या में किसान संगठनों ने प्रदर्शन किया, जबकि कन्नड़ संगठनों ने इस आदेश के विरोध में 13 अगस्त को कर्नाटक बंद का आह्वान किया।

तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़ने के निर्देश के खिलाफ कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा कर्नाटक

नई दिल्ली/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) द्वारा तमिलनाडु को 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने की सिफारिश को बरकरार रखे जाने के बाद राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का रुख करने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। सीडब्ल्यूएमए की बैठक में शामिल हुए गुप्ता ने कहा कि कर्नाटक को उम्मीद है कि इस आदेश के खिलाफ उसकी अपील पर उच्चतम न्यायालय में 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कावेरी से संबंधित लंबित मामले के साथ विचार किया जाएगा।

गुप्ता ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''सीडब्ल्यूएमए ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरए) के निर्णय को बरकरार रखा है। समिति ने निर्णय दिया कि कर्नाटक को 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ना होगा और इस पानी की मात्रा का आकलन बिलिगुंडलु मापन केंद्र पर किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य इस आदेश के विभिन्न पहलुओं की व्यापक समीक्षा करने के बाद अपनी कानूनी रणनीति तय करेगा।

उन्होंने कहा, इस मुद्दे के कई आयाम हैं और समस्या के कई पहलू हैं। हम इन सभी का समग्र रूप से परीक्षण करेंगे और उसके बाद हमारे लिए उपलब्ध कानूनी उपायों, कानूनी दृष्टि से उठाए जा सकने वाले कदमों तथा राज्य के लिए न्याय सुनिश्चित करने के तरीकों पर उचित निर्णय लेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया है, गुप्ता ने कहा कि स्थिति लगातार बदल रही है और आगे जल प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

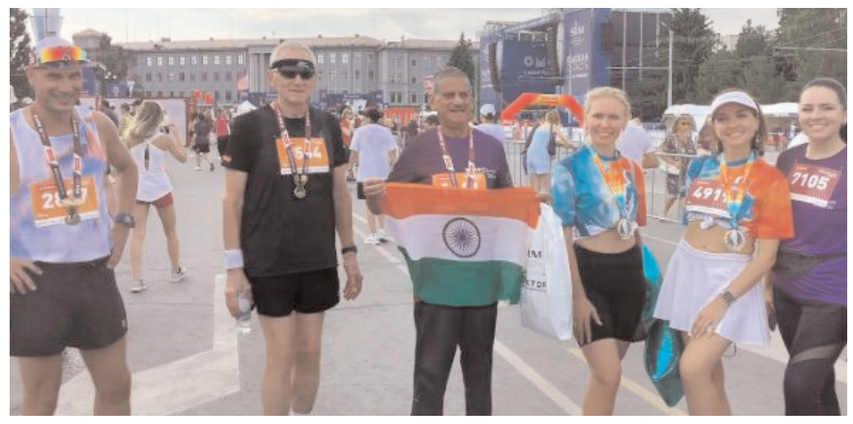

ओपीएन कल्याण ने 77 की उम्र में साइबेरियन मैराथन में इतिहास रचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जिस उम्र में ज़्यादातर लोग आराम से रिटायरमेंट की ज़िंदगी बिताना पसंद करते हैं, बेंगलूरु के एक 77 वर्षीय शख्स ने साइबेरिया में मैराथन में भाग लेकर इतिहास रच दिया। इनका नाम है- ओपीएन कल्याण, जो बतौर लेफ्टिनेंट कर्नल भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं। उन्होंने एक अगस्त को जब रूस के ओम्स्क इलाके में साइबेरियन अंतरराष्ट्रीय मैराथन में भाग लिया तो उनका सपना पूरा हो गया। अगले दिन, उन्होंने उड़ान भरी और ओम्स्क के ऊपर 3,000 मीटर की ऊंचाई से टैंडेम स्काईडाइविंग की।

मैराथन में लगभग 6,190 धावकों ने भाग लिया, जिनमें सिर्फ चार विदेशी प्रतिभागी थे। उनमें भारत का प्रतिनिधित्व कल्याण कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'साइबेरियन मैराथन में भाग लेना और भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व और भावुक कर देने वाला पल था। साइबेरिया में दौड़ना मेरा जीवनभर का सपना था और आखिरकार, 77 साल की उम्र में इसे पूरा कर पाया।' कल्याण ने 2 अगस्त को रूस के दोसाफ के ओम्स्क एविएशन स्पोर्ट्स क्लब में टैंडेम स्काईडाइविंग की। उन्होंने करीब 200 किमी/घंटा की रफ़्तार से लगभग 40 सेकंड तक 'फ्रीफ़ॉल' का अनुभव किया। फिर लगभग 1,700 मीटर की ऊंचाई पर पैराशूट खुला।

यह जंप एक आसान और सुरक्षित लैंडिंग के साथ पूरी हुई। उन्होंने कहा, 'साइबेरिया के ऊपर यह शानदार और रोमांचक छलांग थी। फ्रीफ़ॉल एक अविस्मरणीय अनुभव था।' कल्याण के पिता और बड़े भाई भी भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने बेंगलूरु के किंग जॉर्ज स्कूल, जो अब नेशनल मिलिट्री स्कूल है, में पढ़ाई की और 15 जून, 1969 को आर्मी सर्विस कोर में कमीशन प्राप्त किया था। उन्होंने वर्ष 1971 के युद्ध में उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी। उन्हें दिसंबर 2022 में ढाका में बांग्लादेश के विजय दिवस समारोह में आमंत्रित किया गया था।

कल्याण ने 75 साल की उम्र में फरवरी 2024 में अंटार्कटिका की यात्रा की थी। उन्होंने अगस्त 2025 में आर्कटिक अभियान के दौरान 22 निर्जन द्वीपों की यात्रा की थी। उन्होंने अपने ध्रुवीय अभियानों के दौरान -3 डिग्री से. तापमान वाले बर्फीले पानी में डुबकी लगाई थी। इसके अलावा नॉर्वे के टोंसबर्ग स्काईडाइविंग क्लब में 7,000 फ़ीट की स्काईडाइविंग जंप भी की थी।

बीडीए अंडरपास में मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में मंगलवार को निर्माणाधीन अंडरपास में बड़ी मात्रा में मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा बनाए जा रहे अंडरपास के लिए करीब 20 फुट गहरी खोदी गई खाई में पांच मजदूर आरसीसी ढलाई से संबंधित काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि खाई में जमा पानी को मोटर की मदद से बाहर निकाला जा रहा था, तभी अचानक एक तरफ की मिट्टी धंस गई। पुलिस ने बताया कि खतरे का अंदेशा होते ही तीन मजदूर वहां से निकलने में कामयाब रहे, जबकि दो अन्य मलबे के नीचे दब गए।

पुलिस के अनुसार, परिमल (31) मिट्टी में दब गए थे और उन्हें मौके पर मृत पाया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य मजदूर सोनाराम (26) को काफी प्रयासों के बाद बाहर निकाला गया और कनवा अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी चोटों के कारण मौत हो गई। घायल तीन मजदूरों की पहचान सदानंद, सुनील और इम्तियाज के रूप में हुई है। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। नंदिनी लेआउट पुलिस, दमकल और आपातकालीन सेवा कर्मियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिट्टी धंसने की सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

अभिनेता प्रकाश राज का दावा, बेंगलूरु में मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभिनेता प्रकाश राज ने मंगलवार को दावा किया कि बेंगलूरु में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया है। अभिनेता ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा किये गए एक वीडियो में दावा किया कि वह उन 65 लाख मतदाताओं में से एक हैं, जिनका मताधिकार एसआईआर के बाद खत्म कर दिया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने कहा, ''...मैं आपके साथ एक मजाक साझा करना चाहता हूं। मैं उन 65 लाख मतदाताओं में से एक हूं, जिनका मताधिकार एसआईआर के बाद बेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र से हटा दिया गया है। अच्छा मजाक है, है ना? मेरा जन्म इसी निर्वाचन क्षेत्र में हुआ था। मैं इसी निर्वाचन क्षेत्र में रहा हूं, मेरी स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई यहीं हुई और थिएटर का काम भी यहीं सीखा। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैंने इसी निर्वाचन क्षेत्र से संसदीय चुनाव भी लड़ा था।''

प्रकाश राज ने कहा, ''खैर, अच्छा मजाक है। चलिए, शुरू करते हैं। मुझे देखने दीजिए कि क्या प्रक्रिया है। अपना मतदाता पहचान पत्र वापस पाने के लिए क्या-क्या कागज दिखाना पड़ेगा?'' केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए अभिनेता ने कहा, ''ठीक है, तो खेल शुरू हो गया है। लेकिन दोस्त, एक छोटी सी बात कहूं, हो सकता है कि आप अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके उन कुछ नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दें जो शायद आपको न चुनें। लेकिन क्या आप हमें... आपको सत्ता से हटाने से रोक सकते हैं? बस पूछ रहा हूं। बाय।''

यहां निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की ओर से उनके दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, उनका नाम बेंगलोर सेंट्रल के शांतिनगर निर्वाचन क्षेत्र की एएसडीओ (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लिकेट और अन्य) सूची में है तथा इसका कारण स्थायी रूप से ''कहीं और बस जाना'' बताया गया है। शहर की एक अदालत ने 10 जुलाई को अभिनेता को एक आपराधिक मामले में सशर्त जमानत दी थी। यह मामला एक निजी शिकायत से संबंधित है जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनके पास अलग-अलग जगहों पर पंजीकृत चार मतदाता पहचान पत्र हैं। मामले के सिलसिले में उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

रेणुकास्वामी हत्याकांड : गवाह को धमकी मिलने के बाद पुलिस ने दो उद्योगपतियों और एक महिला का पता लगाया

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में गवाही देने वाले संदीप को अपहरण और जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने कथित तौर पर इस मामले में दो ऐसे उद्योगपतियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी संदीप को धमकी देने में अहम भूमिका रही। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों की पहचान किरण और गौरव के रूप में हुई है। साथ ही, इस मामले में एक प्रभावशाली महिला की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, फॉरेंसिक जांच में यह सामने आया है कि जब संदीप को धमकी दी जा रही थी, तब किरण और गौरव शेट्टी दोनों कॉन्फ्रेंस कॉल पर थे। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों ने आरोपी पुनीत को संदीप को धमकाने और ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया। संदीप बार कैशियर है और फैन मर्डर मामले में 49वां गवाह है। कथित तौर पर उसे कार में बलपूर्वक अंदर ले जाते हुए धमकाया गया और उसे गंभीर परिणाम भी भुगतने की धमकी दी गई। कामाक्षीपाल्या पुलिस ने इस मामले में एक और केस दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी। इससे पहले, पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिसमें प्रमुख रूप से पुनीत, सुहास और वेणु शामिल है। इन आरोपियों को इसी मर्डर केस में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने पुनीत का मोबाइल फोन जब्त कर लिया और व्हाट्सएप डेटा को भी प्राप्त करने की कोशिश की। इसके बाद उस डेटा को एफएसएल की टीम को जांच के लिए भेजा गया। एफएसएल की रिपोर्ट ने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को आरोपी और दो अन्य उद्योगपतियों के बीच संवाद स्थापित करने में मदद की।

कर्नाटक में ट्रेकिंग के दौरान 31 वर्षीय पेशेवर लापता, मध्यप्रदेश पुलिस ने मदद की पेशकश की

इंदौर/बेंगलूरु। बेंगलूरु के पास ट्रेकिंग के दौरान चार दिन से लापता 31 वर्षीय पेशेवर की तलाश में मध्यप्रदेश पुलिस ने कर्नाटक पुलिस को मंगलवार को मदद की पेशकश की। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमें सोशल मीडिया से जानकारी मिली कि मूलत: इंदौर के निवासी अद्वैत उपाध्याय (31) बेंगलूरु के पास शिवगंगे में ट्रेकिंग के दौरान लापता हो गए हैं। हमने इस मामले में कर्नाटक पुलिस से संपर्क किया है और जांच में आवश्यक सहयोग की पेशकश की है।'' उन्होंने बताया, ''कर्नाटक पुलिस उपाध्याय की लगातार तलाश कर रही है। हम कर्नाटक पुलिस के संपर्क में हैं। जांच में किसी भी तरह के सहयोग की जरूरत होने पर इंदौर पुलिस तत्काल मदद करेगी।'' दंडोतिया ने बताया कि उपाध्याय के परिजनों की ओर से अब तक इंदौर पुलिस से कोई संपर्क नहीं किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक बेंगलूरु में एक वित्तीय कंपनी में काम करने वाले उपाध्याय के लापता होने की जानकारी कर्नाटक पुलिस को सात अगस्त को मिली थी। उन्होंने बताया कि उपाध्याय ने अपनी मंगेतर को शिवगंगे में ट्रेकिंग पर जाने की योजना के बारे में कथित रूप से बताया था।

पिता ने नाबालिग बेटियों की गला घोंटकर की हत्या, खुद भी की जिंदगी खत्म करने की कोशिश

बेंगलूरु। बेंगलूरु से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने ताज होटल में दो नाबालिग बेटियों की गला घोंटकर हत्या कर दी और खुद भी खुदकुशी करने की कोशिश की। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बेंगलूरु में एयरपोर्ट रोड पर स्थित ताज होटल में 40 वर्ष के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी दो नाबालिग बेटियों का गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुदकुशी की कोशिश की। मृतक बच्चियों की पहचान 5 वर्ष की शेख जेहरा और 10 वर्ष की शेख जोया के तौर पर हुई है। वहीं, आरोपी पिता की पहचान एसजी इमरान (40) के रूप में हुई है, जो नागावारा का रहने वाला है। वह गंभीर हालत में मिला और उसे मणिपाल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।पुलिस के मुताबिक, इमरान के छोड़े गए कथित सुसाइड नोट में पत्नी के साथ वैवाहिक झगड़ों का जिक्र है और आरोप लगाया गया है कि उसे शक था कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध है। उसने नोट में यह भी दावा किया है कि उसके पास इस कथित रिश्ते के सबूत हैं।

वीर पहाड़िया ने कोल्लूर मुकांबिका मंदिर में की पूजा

उडुप्पी। कोल्लूर वीर पहाड़िया ने हाल ही में कर्नाटक स्थित प्रसिद्ध कोल्लूर मूकांबिका मंदिर के दर्शनकर, अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा की है। मंदिर परंपरा के अनुसार पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहे वीर ने सफेद धोती के साथ सफेद अंगवस्त्र पहने हुए हैं। इस दौरान उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ मां के दर्शन करके पूजा-अर्चना की और मंदिर के विभिन्न अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए वीर ने लिखा है, तीन शक्तियां, एक रूप शक्ति में महाकाली, कृपा में महालक्ष्मी और ज्ञान में महासरस्वती। जय मां मूकांबिका।गौरतलब है कि कर्नाटक के कोल्लूर में स्थित मूकांबिका मंदिर, देवी मूकांबिका को समर्पित है, जिन्हें महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती, इन तीनों स्वरूपों में पूजा जाता है। फिलहाल वीर की इस आध्यात्मिक यात्रा ने उनके फैंस को उनकी गहरी आस्था और भारतीय परंपराओं से जुड़ाव की एक खास झलक दे दी है।

ज्ञापन

बिडदी के ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधान सौधा में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की और बिडदी टाउनशिप परियोजना को लागू करने तथा बैरमंगला और कंचुगरनहल्ली में भूमि अधिग्रहण की अंतिम अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस हाईकमान की बातचीत के बाद जल्द होगा मंत्रालय का बंटवारा : शिवराज तंगड़गी

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों के नाम पर अंतिम मुहर लगाने के लिए चर्चा करने जा रही है। वरिष्ठ नेताओं ने मंगलवार को बताया कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से चर्चा संपन्न होने के बाद मंत्रिमंडल का आवंटन हो जाएगा। अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से मंत्रिमंडल के आवंटन को लेकर बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मंत्रियों की अंतिम सूची सौंपे जाने से पहले उसे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से मंजूरी प्रदान की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि सीएम शिवकुमार ने प्रस्तावित मंत्रालय की सूची वेणुगोपाल को सौंप दी है और उम्मीद है कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की ओर से इस पर जल्द ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। कर्नाटक विधानसभा में मानसून सत्र की शुरुआत 13 अगस्त को होगी। ऐसी स्थिति में सरकार पर यह दबाव बढ़ गया है कि वो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही इस संबंध में फैसला ले। मंत्री शिवराज तंगड़गी ने कोप्पल में पत्रकारों से बातचीत में मंगलवार को कहा कि मंगलवार शाम तक मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस बात की प्रबल संभावना है कि शाम तक मंत्रालय का आवंटन हो जाएगा। मुझे जिस किसी भी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका मैं निर्वहन करूंगा और उस दिशा में काम करूंगा। ऐसी स्थिति में इस संबंध में दिगभ्रमित होने या दुविधा में पड़ने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। तंगडगी ने कहा कि बीएस येडीयुरप्पा के शासनकाल में भी मंत्रालय आवंटन में विलंब हुआ था। ऐसी स्थिति में उन्हें मौजूदा सरकार से मांग की है कि मंत्रालय आवंटन में विलंब नहीं हो। इस बीच, जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कोलार में कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में कुछ असंतुष्टि जरूरी भी है। 13अगस्त से मानसून सत्र की शुरुआत होने जा रही है। ऐसी स्थिति में सत्र शुरू होने से पहले ही मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाएगा।

डी.के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि मानसून सत्र से पहले ही मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाएगा। हालांकि, कैबिनेट के संबंध में व्यापक चर्चा सत्र समाप्त होने के बाद भी जारी रहेगा। मंत्रालय आवंटन को लेकर विलंब के पीछे की एक वजह यह भी है कि अब उपमुख्यमंत्री के पद का सृजन हुआ है। पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि इस विषय पर कई बार चर्चा हो चुकी है। लेकिन, अभी तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है।

जारकीहोली ने बेलगावी में कहा, उपमुख्यमंत्री के पद को लेकर चर्चा हो चुकी है। लेकिन, अभी तक इस संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। पार्टी की ओर से इस संबंध में फैसला लिया जाएगा। हम इस पार्टी में अपने पार्टी प्लेटफॉर्म पर चर्चा करेंगे। इस संबंध में जो भी फैसला लिया जाएगा, हम उसे मानेंगे।

इस बीच, मंत्री एचसी. बालकृष्ण ने बेंगलूरु में विपक्ष पर पलटवार भी किया। उन्होंने कहा, बीजेपी और जेडी(एस) कांग्रेस की आलोचना करने के लिए मौजूद हैं।

नीट की तैयारी करने वाली मृतक छात्रा के भाई का होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला शव

मंगलूरु/दक्षिण भारत । नीट की तैयारी कर रही छात्रा की आत्महत्या के कुछ हफ्ते बाद अब उसके बड़े भाई का शव भी होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला। कर्नाटक पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 24 वर्षीय अर्जुन महेश के रूप में हुई है। वह कासरगोड का रहने वाला था और दुबई में ऑटोमोबाइल इंजीनियर के रूप में काम करता था।

पुलिस के अनुसार, अर्जुन का शव कवूर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मारावूर स्थित स्काई ग्रैंड एम्पायर होटल के एक कमरे में फंदे से लटका मिला। मंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया कि अर्जुन पल्लीकारा के मुक्कूड निवासी के. राधिका और महेश का बेटा था।

परिजनों ने बताया कि वह भारत आया था लेकिन घर नहीं लौटा था। इसके बाद परिजन उसकी तलाश करते हुए मंगलूरु पहुंचे। जांच के दौरान ही होटल में अर्जुन मृत अवस्था में मिला। कमरे से पुलिस को एक छोटा सा नोट भी मिला है। यह नोट उसकी मां और दो दोस्तों के नाम था। नोट में लिखा था, 'अम्मा, मुझे माफ करना, दोस्तों को बता देना।'

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना से पहले की परिस्थितियों की भी पड़ताल की जा रही है। अभी और जानकारी का इंतजार है। अर्जुन, 19 वर्षीय नीट अभ्यर्थी ऐजा आर महेश का बड़ा भाई था। ऐजा ने 2 जून को केरल में आत्महत्या कर ली थी। ऐजा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की दोबारा परीक्षा की तैयारी कर रही थी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद पहले हुई परीक्षा को रद्द कर दिया था, जिसके बाद दोबारा परीक्षा घोषित की गई थी।ऐजा हॉस्टल में फंदे से लटकी मिली थी। उसकी मां ने पहले कहा था कि ऐजा को परीक्षा में अच्छे अंक मिलने का भरोसा था, लेकिन परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा की घोषणा के बाद वह परेशान हो गई थी।

कार्यालय परियोजना प्रबंधक, यूनिट -01
कन्सट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज
उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय)
(उ0 प्र0 सरकार का उपक्रम)
कार्यालय पता:- भवन सं0-6, कृष्णा कुटीर व्हाईट हाउस, फेज-2, वीरास्वामी रेड्डी ले-आउट के समीप, कांदुगोडी, बैंगलुरु। Mob. No. 7379017520
e-mail : cdsunit01@gmail.com

पत्रांक: 856/M-6/159
दिनांक: 10.08.2026

ई-निविदा सूचना

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा **FURNITURE AND INTERNAL FITOUT WORKS AT JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA, KOLAR (KARNATAKA)** अनु. लागत ₹ 168.16 लाख, हेतु दिनांक 20.08.2026 की अपरान्ह 05:00 बजे तक ई-निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। उक्त कार्य हेतु ई-निविदा प्रपत्र दिनांक 12.08.2026 से दिनांक 20.08.2026 के मध्य उत्तर प्रदेश सरकार की **e-procurement** की वेबसाइट **https://etender.up.nic.in** से डाउनलोड किये जा सकते हैं तथा ई-निविदा दिनांक 21.08.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, यूनिट-01, सी. एण्ड डी.एस., उ.प्र. जल निगम (नगरीय), भवन सं.-6, कृष्णा कुटीर व्हाईट हाउस, फेज-2, वीरास्वामी रेड्डी ले-आउट के समीप, कांदुगोडी, बैंगलुरु खोली जायेंगी। ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य **₹10,000+GST (18%)** अतिरिक्त देय होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाइट **www.cdsupjn.org** एवं प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। समस्त शुद्धि पत्र **(Corrigendum) https:// etender.up.nic.in** पर ही अपलोड किये जायेंगे, इनका पृथक से कोई प्रकाशन नहीं किया जायेगा। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है, कि वे उक्त वेबसाईट का समय-समय पर अवलोकन करते रहें।

विज्ञापन सं. डी.एस._IX-14011/1/2026-अनुभाग_9-DOS दिनांक: 12/08/2026
Advertisement No. DS_IX-14011/1/2026-Section_9-DOS Dated: 12/08/2026

भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग / DEPARTMENT OF SPACE

अंतरिक्ष क्षेत्र में अनुसूची 'ए' सी.पी.एस.ई., **न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल), बेंगलुरु** में **तत्काल आमेलन के आधार पर निदेशक (तकनीकी और रणनीति) के पद** के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

Applications are invited for the **post of Director (Technical Strategy)** in **NewSpace India Limited (NSIL), Bengaluru,** a Schedule 'A' CPSE in the Space sector, on **immediate absorption basis.**

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 12/09/2026 है।

The last date for receipt of applications is 12/09/2026.

विस्तृत जानकारी के लिए करियर्स लिंक के अंतर्गत वेबसाइट www.isro.gov.in देखें।

For details, visit the website www.isro.gov.in under the link Careers.

इस विज्ञापन में परिशिष्ट/शुद्धि पत्र, यदि कोई हो, केवल उपयुक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
Addendum/corrigendum to this dvertisement, if any, will be published only in the above website.

CBC 49120/11/0003/2627

रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए ऑनलाइन सेतु एप होगा लागू : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आईएचएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार किया गया ऑनलाइन सेतु एप को जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं एम्बुलेंस में उपयोग में लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सेतु एप के माध्यम से रेफरल होने के बाद उच्च चिकित्सा संस्थान में पूर्व में ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा सकेंगी तथा क्यूआर कोड के माध्यम से रेफर संस्थान को मरीज के पहुंचने से पूर्व ही मरीज की रिपोर्ट प्राप्त होगी, जिससे इलाज की तैयारी पूर्व में हो सके। प्रमुख शासन सचिव ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सा संस्थान स्तर पर संबंधित चिकित्सा प्रभारी एवं ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी द्वारा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, हाइपर टेंशन, वजन एवं आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी जांच सुनिश्चित की जाए।

श्रीमती राठौड़ ने प्रसव पूर्व जांच सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए संस्थान स्तर पर आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस अभियान में प्रत्येक गर्भवती महिला की हर महीने में स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ ही सघन मॉनिटरिंग करते हुए सुरक्षित प्रसव पर विशेष बल दिया। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने बीकानेर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, बूंदी, डूंगरपुर, अजमेर तथा श्रीगंगानगर में दर्ज मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश देते हुए गैप कम करने को कहा। अलवर सीएमएचओ ने बताया कि अलवर जिले के निजी शिशु हॉस्पिटल में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रसूता की डिलेवरी कराने के मामले में अस्पताल का पंजीकरण निरस्त कर दिया गया है। साथ ही अस्पताल के संचालक चिकित्सक का आरएमसी रजिस्ट्रेशन तथा नर्सिंगकर्मियों का आरएनसी निरस्त के लिए लिखा गया है।

प्रमुख शासन सचिव ने प्रदेश में संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्कूलों में 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात विकृतियां, बच्चों के विकास में बाधक बनने वाली बीमारियां आदि की स्क्रीनिंग कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन आरबीएसके कार्यक्रम के तहत संचालित टीम स्कूलों में जाकर आवश्यक स्वास्थ्य जांच करेगी एवं आवश्यकता होने पर रेफरल कार्ड बनाने, फालोअप के साथ ही पीड़ित बच्चे का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करेगी। इसके लिए उन्होंने दैनिक रूप से निदेशालय स्तर पर रिपोर्ट भेजने के भी निर्देश दिए।

श्रीमती राठौड़ ने बारिश के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियां मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रबटाइफस आदि से बचाव एवं रोकथाम के लिए सेम्पलिंग एवं सर्विलॉन्स गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अस्पतालों में दवाई एवं चिकित्सकीय उपकरणों के सुरक्षित रख-रखाव पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने अस्पतालों में असुरक्षित या जर्जर कमरों को उपयोग में नहीं लेने के भी निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. नरोत्तम शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य चुनाव आयुक्त ने युवा मतदाताओं में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने युवाओं में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) की गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्थान के निर्वाचन साक्षरता क्लब के अधिकारियों और महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ संवाद किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में युवा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने, मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा महाविद्यालय स्तर पर निर्वाचन साक्षरता गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

इस दौरान 'एक राज्य-एक चुनाव', युवा मतदाता और निर्वाचन साक्षरता क्लब की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतियां भी दी गईं। सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत नागरिक की आवाज है और युवाओं की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को अधिक सशक्त बनाती है।

उन्होंने युवा मतदाताओं से मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने, सही एवं तथ्यपरक जानकारी के आधार पर मतदान का निर्णय लेने तथा अफवाह, प्रलोभन व दबाव से दूर रहकर अपने मताधिकार का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने युवा मतदाताओं से अपने साथ-साथ परिवार और समुदाय के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया। बयान के अनुसार, कार्यक्रम में निर्वाचन साक्षरता क्लबों को 'कॉलेज से लोकतंत्र की प्रयोगशाला तक' की अवधारणा के साथ प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सिंह ने कहा कि राजस्थान का पंचायती राज व्यवस्था के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है।

उन्होंने कहा कि देश में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत राजस्थान से हुई थी और अब 'एक राज्य-एक चुनाव' की पहल का सौभाग्य भी राजस्थान को मिल रहा है। सिंह ने कहा कि सभी नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में एक साथ चुनाव कराने का निर्णय निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता, संसाधनों के बेहतर उपयोग व विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

इस अवसर पर 'एक राज्य-एक चुनाव' की अवधारणा और सभी नगरीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं में एक साथ चुनाव कराने के निर्णय से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। बयान के अनुसार, इसके प्रमुख उद्देश्यों में राजनीतिक स्थिरता एवं प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता, चुनावों के दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित करना, आर्थिक बचत एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना शामिल है।

राज्य में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की हुई समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की आर्थिक मामलात सचिव श्रीमती अनुराधा ठाकुर एवं मुख्य सचिव के मध्य राज्य में संचालित बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति, भावी प्राथमिकताओं तथा नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा केंद्र-राज्य समन्वय को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भारत सरकार के आर्थिक कार्य विभाग के अधिकारियों सहित राज्य के वित्त एवं आयोजना विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु 'एसएनए स्पर्श' तथा वित्तीय लेनदेन को त्वरित व पारदर्शी बनाने वाली 'साइबर ट्रेजरी' प्रणाली सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। आर्थिक कार्य सचिव श्रीमती अनुराधा ठाकुर ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल है।

बैठक में कौशल विकास तथा उच्च व तकनीकी शिक्षा क्षेत्रों में नई परियोजनाओं को चिह्नित करने पर विस्तृत संवाद हुआ। आर्थिक कार्य सचिव ने सुझाव दिया कि अर्बन मोबिलिटी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, हाईवे विकास व अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में पीपीपी मॉडल के माध्यम से निजी पूंजी के प्रभावी एकीकरण की दिशा में कार्य किया जाए, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

राजस्थान के कई भागों में भारी बारिश की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता के चलते राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान कई स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हुई और मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के दौरान भी कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र मंगलवार को भी मध्यप्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के ऊपर बना हुआ है। इसने कहा कि मानसून की 'ट्रफ लाइन' भी मंगलवार को बीकानेर और कम दबाव के क्षेत्र से होकर गुजर रही है जिसके प्रभाव से पिछले 24 घंटे के दौरान झालावाड़ जिले में अत्यंत भारी बारिश, जबकि बूंदी और कोटा जिलों में अति भारी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि बांसवाड़ा और डीडवाना जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।

इसने कहा कि इस दौरान सबसे अधिक 300 मिलीमीटर बारिश झालावाड़ जिले के सुनेल में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को कोटा, उदयपुर, अजमेर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से लेकर कहीं-कहीं भारी और अति भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, भरतपुर, बीकानेर और जोधपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भी मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।

जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में 12 अगस्त को भी मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी तथा एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 13 अगस्त से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। हालांकि, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और पूर्वी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसने बताया कि जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में 14 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में कमी आने का अनुमान है। हालांकि, उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह 15 अगस्त से राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

आमजन को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाएं : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज (उेड) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में रिफॉर्म उत्सव, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में व्यय, हर घर तिरंगा अभियान-2026, जन-अभियोग निस्तारण एवं राजस्थान सम्पर्क 181 तथा मिशन हरियालो राजस्थान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में आयोजित होने वाला 'रिफॉर्म उत्सव' जनभागीदारी से शासन व्यवस्था में सुधार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आमजन के अनुभवों और सुझावों को आधार बनाकर प्रक्रियाओं को सरल तथा सेवा प्रदायगी को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाया जाए। सभी विभाग ऐसे नीतिगत एवं प्रक्रियागत सुधारों की पहचान करें, जिनसे बड़ी संख्या में नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिले और सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान हो।

मुख्य सचिव ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव के तहत 'जन मंथन, विमर्श और जन समाधान' की चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त उपयोगी सुझावों को व्यावहारिक सुधारों में बदला जाएगा। राज्य कार्ययोजना 10 सितंबर तक तैयार कर प्रस्तुत की जाएगी, 11 सितंबर से जन-जागरूकता अभियान शुरू होगा तथा 2 अक्टूबर को प्रदेश की प्रत्येक पंचायत में 'जन मंथन सभा' आयोजित कर आमजन को सुधार प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

योजना विभाग रिफॉर्म उत्सव का नोडल विभाग होगा। जिलों के प्रभारी सचिव तैयारियों की नियमित समीक्षा करते हुए केन्द्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से समन्वय सुनिश्चित करेंगे। युवा मामले विभाग के माध्यम से युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव ने सरकारी प्रक्रियाओं को और सरल बनाने के लिए एकल आवेदन प्रपत्र (सिंगल फॉर्म) विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित केंद्रीय स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने और महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में डी.ओ. लेटर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से अपडेट करने, उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर भेजने तथा केन्द्र से स्वीकृति के बाद राज्यांश शीघ्र जारी करने को कहा।

सरकार ने प्रशासनिक सेवा के 183 अधिकारियों के तबादले किए

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 183 अधिकारियों का मंगलवार को तबादला व पदस्थापन किया गया। राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने यह आदेश जारी किया। आदेश के तहत, मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेषाधिकारी योगेश कुमार श्रीवास्तव को जयपुर स्थित गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड में महाप्रबंधक पद पर तैनात किया गया है। वहीं राजस्थान आवासन मंडल में उपसचिव डॉ अशोक कुमार अब स्थानीय निकाय विभाग में अतिरिक्त निदेशक होंगे।

कार्मिक विभाग में उपशासन सचिव हरफूल पंकज को अलवर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर पद पर और राजसमंद के अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) न्यायालय पाली पद पर तैनात किया गया है। आदेश में पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे अनेक अधिकारियों को भी तैनाती दी गई है।

अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर लगी आग, सात लोगों को बचाया

जयपुर। जयपुर के वैशाली नगर इलाके में सोमवार देर रात एक अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट में आग लग गई। हालांकि, मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और फ्लैट में फंसे एक ही परिवार के सात सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, राजेंद्र नगर में सिरसी रोड स्थित मुस्कान रेजीडेंसी के एक फ्लैट में आग लगी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के अन्य निवासी आग की लपटें देखकर बाहर निकल आए, लेकिन परिवार के सात सदस्य तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट में फंस गए। फ्लैट में धुआं भर जाने के कारण उनके लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

हाथी सफारी से पर्यटकों के दूर होने के पीछे विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी के साथ उनकी बदलती पसंद भी अहम कारण है। खासकर विदेशी पर्यटकों में पशु कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ी है।

आमेर में हाथी सफारी का आकर्षण घटा, सात साल में पर्यटकों की संख्या 70 प्रतिशत कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले की ऊंची-ऊंची दीवारों और इसके वैभव को निहारते हुए हाथी की पीठ पर सवार होकर किले तक पहुंचना कभी पर्यटकों के सबसे यादगार अनुभवों में से एक हुआ करता था लेकिन अब इस शाही सफर की रौनक धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सात वर्षों में हाथी की सवारी करने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 70 प्रतिशत घट गई है। आमेर महल प्रशासन से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 में जहां 1,64,608 पर्यटकों ने हाथी सफारी का आनंद लिया था वहीं 2025-26 में यह आंकड़ा घटकर 48,474 रह गया।

इसके अनुसार 2019-20 में 1,08,378 पर्यटकों ने हाथी सफारी की थी। कोरोना महामारी के दौरान 2020-21 में यह संख्या घटकर महज 2,922 रह गई। इसके बाद 2021-22 में 9,560, 2022-23 में 54,514, 2023-24 में 79,090, 2024-25 में 67,018 और 2025-26 में 48,474 पर्यटकों ने हाथी सफारी का आनंद लिया। विश्व हाथी दिवस के मौके पर हाथियों के संरक्षण और कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ाए जाने के बीच आमेर के ये आंकड़े पर्यटन की बदलती पसंद की कहानी भी बयां करते हैं। प्रशासन के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद पर्यटन गतिविधियां भले ही सामान्य हो गई हों, लेकिन हाथी सफारी की लोकप्रियता पुराने स्तर पर नहीं लौट सकी। वर्ष 2018-19 के मुकाबले 2025-26 में हाथी की सवारी करने वाले पर्यटकों की संख्या में एक लाख से अधिक की कमी दर्ज की गई।

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि हाथी सफारी से पर्यटकों के दूर होने के पीछे विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी के साथ उनकी बदलती पसंद भी अहम कारण है। खासकर विदेशी पर्यटकों में पशु कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ी है। यही वजह है कि कई पर्यटक जानवरों के इस्तेमाल वाली गतिविधियों के बजाय जीप सफारी और प्रकृति आधारित पर्यटन को तरजीह दे रहे हैं। पर्यटन विशेषज्ञ महेश शर्मा ने कहा कि दुनिया भर में पशु कल्याण को लेकर चलाए जा रहे अभियानों का असर हाथी सफारी पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा, कई अंतरराष्ट्रीय टूर संचालकों और ट्रैवल कंपनियों ने अपनी पशु कल्याण नीतियों के तहत हाथी की सवारी को अपने टूर पैकेज से हटा दिया है। इसका खासा असर विदेशी पर्यटकों के बीच हाथी सफारी की मांग पर पड़ा है।

उन्होंने कहा, देश में राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और अन्य वन्यजीव पर्यटन स्थलों के बढ़ते विकल्पों ने भी पर्यटकों के सामने कई नयी गतिविधियों का आनंद लेने के रास्ते खोल दिए हैं। पर्यटन विशेषज्ञ अशोक चौधरी ने कहा, पशु कल्याण से जुड़े अंतरराष्ट्रीय अभियानों के कारण कई विदेशी पर्यटक हाथी की सवारी से परहेज कर रहे हैं। कई टूर संचालक भी अपने यात्रा पैकेज में इसे पहले जैसी प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी पर्यटकों में जीप सफारी और अनुभव आधारित पर्यटन की मांग बढ़ रही है जबकि हाथी सफारी धीरे-धीरे वैकल्पिक गतिविधि बनती जा रही है। चौधरी ने कहा, यूरोपीय देशों की आर्थिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पर पड़ा है। इजराइल और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी का असर जयपुर के पर्यटन कारोबार पर भी पड़ा है।

आमेर में हाथी सफारी को लेकर पिछले कुछ वर्षों में पशु अधिकार संगठनों ने भी विरोध-प्रदर्शन किए हैं।

पुलिस ने विदेशों में आकर्षक नौकरी की पेशकश को लेकर युवाओं को आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने विदेश में आकर्षक रोजगार या नौकरी की पेशकश के नाम पर होने वाली साइबर ठगी को लेकर युवाओं को आगाह किया और बताया कि अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह विदेश में नौकरी और मोटी तनख्वाह का झांसा देकर युवाओं को 'साइबर स्लेवरी' यानी डिजिटल गुलामी के जाल में फंसा रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने परामर्श जारी कर युवाओं और उनके परिजनों से ऐसे फर्जी 'जॉब ऑफर' से सावधान रहने की अपील की।

अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर अपराध) वी. के. सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय 'स्कैम सिंडिकेट' बेरोजगार और महत्वाकांक्षी युवाओं को कंबोडिया, म्यांमा, लाओस, थाईलैंड सहित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आकर्षक वेतन, मुफ्त आवास तथा अन्य सुविधाओं का लालच देकर विदेश ले जाते हैं।

उन्होंने बताया कि वहां पहुंचने के बाद युवाओं के पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज जब्त कर उन्हें बंधक बनाया जाता है और जबरन ऑनलाइन ठगी के काम में लगाया जाता है। सिंह ने एक बयान में बताया कि साइबर अपराधी 'फेसबुक', 'इंस्टाग्राम', 'टेलीग्राम' और 'व्हाट्सऐप' पर डेटा एंट्री ऑपरेटर, ग्राहक सहायता, आईटी, होटल में वेटर और 'वर्क फ्रॉम होम' जैसी नौकरियों के आकर्षक विज्ञापन प्रसारित करते हैं।

उन्होंने बताया कि कई बार समाचार पत्रों में भी ऐसे विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामलों में युवाओं को बिना पर्याप्त जांच के नौकरी का भरोसा दिलाकर वैध रोजगार वीजा के बजाय पर्यटक वीजा पर विदेश भेज दिया जाता है और गंतव्य देश पहुंचने के बाद एजेंट या गिरोह के सदस्य उनका पासपोर्ट व मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लेते हैं तथा इसके बाद पीड़ितों को ऑनलाइन ठगी के लिए मजबूर किया जाता है।

लोकसभा में हंगामे के बीच दो विधेयक पारित, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर 25 मिनट पर दिनभर के स्थगित कर दी गई।

हंगामे के बीच ही सदन ने केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। संसद के मानसून सत्र के चौथे सप्ताह के दूसरे दिन की कार्यवाही भी पिछले तीन सप्ताह की तरह हंगामेदार रही और लगातार 17वें कार्यदिवस को भी सदन में प्रश्नकाल तथा शून्यकाल नहीं चल सके। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे सदन की बैठक शुरू हुई तो गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया।

विपक्षी दलों के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर सदन में चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। इसके बाद, सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। सदन ने इस विधेयक को भी चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाकर बैठने और विधेयकों पर चर्चा में भाग लेने का बार-बार आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''बहुत महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो रहे हैं। आप लोग सीट पर जाकर बैठिए।'' तेन्नेटी ने कहा कि विपक्षी सांसदों ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने से संबंधित महत्वपूर्ण विधेयक पर भी नहीं बोला। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सदन की कार्यवाही 11 बजे शुरू होते ही कांग्रेस और सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करते हुए हंगामा करने लगे।

गारंटर यह नहीं कह सकता कि पहले कर्जदार से वसूली करो : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि बैंक के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह पहले मुख्य कर्जदार से ऋण की पूरी रकम वसूल करे और उसके बाद गारंटर के खिलाफ कार्रवाई करे।

अदालत ने कहा कि भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 128 के तहत गारंटर की देनदारी मुख्य कर्जदार के समान होती है और बैंक कर्जदार व गारंटर दोनों के खिलाफ एक साथ वसूली की कार्रवाई कर सकता है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने विनीत पांडेय व अनूप कुमार मिश्रा की दो याचिकाएं खारिज करते हुए यह आदेश दिया। दोनों याचिकाकर्ताओं ने अपने सहकर्मी विक्रांत दुबे द्वारा लिए गए ऋण के लिए गारंटी दी थी।

दुबे ने वर्ष 2022-23 में उप्र पोस्टल प्राइमरी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से 50 हजार रुपये का फेस्टिवल लोन, तीन लाख रुपये का शॉर्ट टर्म लोन और 18 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया था। बैंक ने ऋण की अदायगी में चूक होने पर वसूली की कार्रवाई शुरू की और डाक विभाग को दोनों गारंटरों के वेतन से प्रतिमाह 10 हजार रुपये काटकर बैंक में जमा करने को कहा। गारंटरों ने दलील दी कि बैंक को पहले मुख्य कर्जदार से बकाया वसूलना चाहिए और केवल शेष राशि के लिए गारंटरों से संपर्क किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने कर्जदार और गारंटर दोनों से एक साथ वसूली को अवैध बताया।

उच्च न्यायालय ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि धारा 128 के अनुसार, जब तक गारंटी अनुबंध में इसके विपरीत कोई शर्त न हो, गारंटर की देनदारी मुख्य कर्जदार के समान और सह-विस्तृत होती है। अदालत ने कहा कि ऋणदाता के लिए मुख्य कर्जदार के खिलाफ पहले कार्रवाई करना अनिवार्य नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि संबंधित गारंटी अनुबंध में ऐसी कोई शर्त नहीं थी, जिससे गारंटर की देनदारी को बाद के चरण तक टाला गया हो इसलिए बैंक को वेतन से प्रतिमाह 10 हजार रुपये की कटौती कर वसूली करने का अधिकार था।

प्रधानमंत्री मोदी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स'' का बुधवार को विमोचन करेंगे। भारत के 14वें राष्ट्रपति कोविंद 2017 से 2022 तक इस पद पर रहे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि आत्मकथा का विमोचन भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे जाने-माने व्यक्तित्वों में से एक के जीवन और योगदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

आत्मकथा में गहराई से कोविंद की शानदार जीवन यात्रा का व्यक्तिगत विवरण मिलेगा जिसमें प्रारंभिक वर्षों से लेकर उनके विशिष्ट सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रपति के रूप में उनकी सेवा तक के अनुभव, संघर्षों और सफलताओं का उल्लेख शामिल हैं। यह पुस्तक उन मूल्यों, अनुभवों और परिस्थितियों के बारे में बताती है जिन्होंने कोविंद की जीवन यात्रा और लोक सेवा को आकार दिया।

तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी को राहत : उच्च न्यायालय ने 31 अगस्त तक गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ लंबित तीन आपराधिक कार्यवाहियों में उन्हें गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम राहत मंगलवार को 31 अगस्त तक बढ़ा दी। अदालत ने बनर्जी के खिलाफ दर्ज तीन प्राथमिकियों को रद्द करने संबंधी उनकी याचिका पर अपना अंतिम आदेश पारित करने के लिए 25 अगस्त की तारीख निर्धारित की है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने डायमंड हार्बर के सांसद को दी गई अंतरिम राहत 31 अगस्त तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी।

अदालत ने शिकायतकर्ता की इस दलील को स्वीकार करने से मना कर दिया कि बनर्जी ''अत्यधिक प्रभावशाली'' हैं और उन्हें अंतरिम राहत देने से जांच एवं मुकदमा प्रभावित होगा। अदालत ने कहा कि सत्तारूढ़ व्यवस्था में बदलाव के बाद पश्चिम बंगाल में स्थिति बदल गई है। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने भवानीपुर में 27 मई, कालीतल्ला और बिष्णुपुर में 16 जून को दर्ज तीन प्राथमिकियों के संबंध में बनर्जी को 17 अगस्त तक अंतरिम राहत दी थी।

बनर्जी के वकील के आवेदन पर अदालत ने पुलिस अधिकारियों को डायमंड हार्बर सांसद के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकियों की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने छह अगस्त को अदालत को अवगत कराया था कि विभिन्न आरोपों को लेकर राज्य भर के विभिन्न थानों में बनर्जी के खिलाफ कुल 16 प्राथमिकी लंबित हैं। शिकायतकर्ता अभिजीत दास के वकील जयंत नारायण चटर्जी ने अंतरिम राहत के अनुरोध का विरोध करते हुए दावा किया कि बनर्जी ''अत्यधिक प्रभावशाली'' हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि याचिकाकर्ता को हिरासत में नहीं लिया गया, तो गवाहों को डराया-धमकाया जाएगा और उन्हें अदालतों के सामने गवाही देने से रोका जाएगा।

सवाल पूछने की आजादी के साथ जवाब सुनने का दायित्व भी तय करता है लोकतंत्र : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों के विरोध-प्रदर्शन और उनके खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब से पहले मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र सवाल पूछने की आजादी देता है लेकिन जवाब सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोकतंत्र प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता देता है, तो उत्तर सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह विद्यार्थियों से जुड़े विषय पर सदन में विस्तारपूर्वक अपना पक्ष रखने के लिए पूर्णतः तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और समूचे विपक्ष से अपेक्षा है कि तथ्यों का सामना करे, सदन की गरिमा बनाए रखे और उत्तर को पूरा सुने।'' योगी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''लोकतंत्र में बहस से प्रतिष्ठा बढ़ती है, भागने से नहीं।'' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। मौर्य ने कहा, ''झूठ का तिलिस्म बुनना, निराधार आरोप लगाना और सच सामने आते ही मैदान छोड़कर भाग खड़ा होना, यही राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीति की असलियत है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''कांग्रेस का एक ही उसूल है, झूठ बोलो, शोर मचाओ और जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथ्यों के साथ जवाब दें, तो संसद छोड़कर चले जाओ।''

ध्रुव राठी के मानहानिकारक वीडियो पर भारत में रोक लगा दी गई है : गूगल ने अदालत को बताया

नई दिल्ली/भाषा। गूगल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि उसने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ध्रुव राठी के उस मानहानिकारक यूट्यूब वीडियो पर भारत में रोक लगा दी है, जिससे कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। यूट्यूब की मालिक कंपनी गूगल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष वकील अमिता सचदेवा की ओर से दायर याचिका पर यह जानकारी दी। सचदेवा ने दावा किया है कि 21 मार्च को राठी ने एक बेहद अपमानजनक और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील वीडियो प्रकाशित किया था, जिसे यूट्यूब पर लाखों लोगों ने देखा। सचदेवा के अनुसार, वीडियो में भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण और देवी सीता को अपमानित करने के लिए झूठी, भ्रामक एवं भड़काऊ बातें कही गईं।

गूगल के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की 'शिकायत अपीलीय समिति' (जीएसी) के आदेशानुसार यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि वीडियो पर केवल भारत में रोक लगाई गई है, क्योंकि इसपर पूरी दुनिया में रोक लगाने का मुद्दा दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष लंबित है। सचदेवा ने कहा कि 15 जुलाई को जीएसी ने गूगल को 24 घंटे के अंदर वीडियो हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन गूगल ने केवल भारत में वीडियो पर रोक लगाई, जो केवल आंशिक अनुपालन है। इसपर न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर रोक लगाने का मुद्दा पहले से ही खंडपीठ के समक्ष लंबित है। वे जो कुछ कर सकते थे, उन्होंने कर दिया है।'' अदालत ने मामले की सुनवाई तीन सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। तीन जुलाई को अदालत ने जीएसी से सचदेवा की उस याचिका पर 15 दिन के भीतर फैसला करने को कहा था, जिसमें कथित आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अदालत के निर्देश के अनुपालन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन दायर किया था।

कबीर ने हिंदू और मुस्लिम कट्टरपंथ का विरोध किया था : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संत कबीर नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि ''संत कबीर दास हिंदू रूढ़िवादिता के खिलाफ बोलने के बावजूद हिंदुओं द्वारा पूजनीय थे लेकिन मुसलमानों ने उन्हें उसी तरह स्वीकार नहीं किया। मुख्यमंत्री ने यहां 684 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 201 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, संत कबीर निर्गुण परंपरा से थे। उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ के खिलाफ उतनी ही बात की, जितनी हिंदू कट्टरपंथ के खिलाफ लेकिन हिंदुओं ने उन्हें पूजा, जबकि मुसलमान उन्हें दूर से छूना भी नहीं चाहते थे। यही अंतर है।'' उन्होंने कहा कि संत कबीर ने पाखंड और जातिगत भेदभाव का कड़ा विरोध किया तथा समाज को उन लोगों के खिलाफ आगाह किया, जो उसे बांटना चाहते थे।

आदित्यनाथ ने कहा, संत कबीर दास जी ने पाखंड के खिलाफ लड़ाई शुरू की थी और वह यहां मगहर आए थे। लोगों का मानना था कि मगहर में मरने से व्यक्ति नरक में जाएगा लेकिन उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति के कर्मों पर निर्भर करता है कि उसे मृत्यु के बाद स्वर्ग मिलेगा या नरक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकारों ने कबीर की विरासत को संरक्षित करने और उनसे संबंधित शोध को बढ़ावा देने के लिए कबीर अकादमी का विकास किया है तथा इसके सौंदर्यीकरण का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज संत कबीर दास जी के नाम पर एक अकादमी के साथ-साथ एक सभागार बनाया जा रहा है और साथ ही हम बाबा तामेश्वरनाथ धाम के लिए एक कॉरिडोर के निर्माण पर भी काम कर रहे हैं।'' बदलता संत कबीर नगर, बदलते उत्तर प्रदेश को दर्शाता है। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा की सरकारों के भ्रष्टाचार के कारण जिले में एक कताई मिल बंद हो गई थी लेकिन अब इसे फिर से शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने मस्तिष्क ज्वर को लेकर दोनों दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''यह क्षेत्र एन्सेफलाइटिस से त्रस्त था। लोग मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित थे, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इसके बारे में कुछ नहीं कर सकीं। मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद हमने एन्सेफलाइटिस को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि विकास तभी संभव है, जब सरकार लोगों की आस्था का सम्मान करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने छात्रवृत्ति, नौकरियों और किसानों के लिए बनाई गई योजनाओं में भ्रष्टाचार किया था।

उप्र के मुख्यमंत्री ने दी श्रावण शिवरात्रि की बधाई

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को श्रावण महीने में शिवरात्रि के मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, देवाधिदेव महादेव की आराधना को समर्पित पावन श्रावण शिवरात्रि की समस्त शिवभक्तों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से प्रत्येक नागरिक का जीवन सुख, शांति, समृद्धि, आरोग्य और यश से आलोकित हो तथा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव! उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सभी को श्रावण मास की शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

खरगे को बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर 'इंडि' गठबंधन के दलों का राज्यसभा से बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के दलों ने मंगलवार को दोपहर बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उपसभापति हरिवंश द्वारा बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने पर विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया। जब विपक्षी दलों के सदस्यों ने बहिर्गमन किया तब उच्च सदन में 'न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही थी।

विपक्षी दल लगातार मांग कर रहे हैं कि पिछले महीने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस के बल प्रयोग के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें। इसके अलावा विपक्ष अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा भी उठा रहा है। मंगलवार को भोजनावकाश से पहले इन्हीं मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी थी। दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच न्यायाधिकरण सुधार विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। उपसभापति हरिवंश ने सदस्यों से केवल विधेयक से जुड़े विषय पर बोलने का आग्रह किया और शुरुआत में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने ''नेता प्रतिपक्ष को बोलने दो'' के नारे लगाए और हंगामा किया। शोर-गुल के बीच विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। विपक्षी सांसदों ने व्यवस्था के प्रश्न उठाने का प्रयास किया और गृह मंत्री अमित शाह के सदन में आने की मांग की तथा राम मंदिर चंदे की कथित चोरी को लेकर नारे लगाए।

हरिवंश ने खरगे को बोलने की अनुमति दी, लेकिन उन्हें सदन में चल रहे कार्य यानी विधेयक पर ही अपनी बात रखने को कहा। खरगे ने राम मंदिर मुद्दे पर बोलने का प्रयास किया, लेकिन आसन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ की नियुक्ति के लिये अभ्यर्थियों का साक्षात्कार शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार मंगलवार को शुरू हुआ। ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक उच्चाधिकारी प्राप्त समिति द्वारा 5200 आवेदकों में से चुने गए 18 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया जा रहा है और यह प्रक्रिया बुधवार को भी जारी रह सकती है। राम मंदिर से चढ़ावा की चोरी के आरोप सामने आने के बाद ट्रस्ट ने एक पूर्णकालिक सीईओ नियुक्त करने का फैसला किया था।

अधिकारी ने बताया कि सभी 18 उम्मीदवार सोमवार देर रात अयोध्या पहुंचे और ट्रस्ट द्वारा बताई गई जगहों पर ठहरे। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार की यह प्रक्रिया अयोध्या में राम मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के सम्मेलन कक्ष में हो रही है। मंदिर ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि अगर मंगलवार को सभी उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे नहीं हुए तो यह प्रक्रिया बुधवार को भी जारी रह सकती है। मंदिर ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि उम्मीदवार पूर्वाह्न करीब नौ बजे राम मंदिर परिसर पहुंचे और साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्वाह्न 10 बजे शुरू हुई।

सूत्रों ने बताया, ''प्रत्येक उम्मीदवार ने अयोध्या हवाई अड्डे पर अपने आने का कार्यक्रम ट्रस्ट को भेजा था जिसके बाद ट्रस्ट द्वारा उन्हें हवाई अड्डे से अलग-अलग गाड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया।'' उन्होंने कहा, साक्षात्कार राम मंदिर में हो रहा है और उम्मीदवारों को मीडिया से बात न करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा और कांग्रेस की सियासत से दूर रहें 'जेन-जी' : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को छात्रों और 'जेन-जी' से सत्ता पक्ष और विपक्ष की 'साजिशों' से दूर रहने की अपील की। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर अपने राजनीतिक फायदों के लिए युवाओं के विरोध प्रदर्शनों को 'हाईजैक' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

मायावती ने सरकारी नौकरियों में दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के आरक्षण की व्यवस्था को कमजोर करके उन्हें गुलाम बनाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग अब इस आरक्षण को 'निष्प्रभावी' बनाने में लगे हैं। मायावती ने दावा किया कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस युवाओं के मुद्दों को हल करने को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल ही में हुआ छात्र और युवा विरोध प्रदर्शन सबसे पहले 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ने शुरू किया था, लेकिन बाद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इसे 'हाईजैक' कर लिया।

खराब मौसम के कारण बंगाल के मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में कोलाघाट में उतरा

कोलकाता/भाषा। खराब मौसम के कारण मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोलाघाट में आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से पश्चिम मेदिनीपुर जिले में अपने गंतव्य स्थल केशपुर के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री केइन जिलों में कई कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। केशपुर में शुभेंदु अधिकारी स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री बांकुड़ा जिले के लिए रवाना होंगे, जहां उनका एक प्रशासनिक बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है। यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि शुभेंदु अधिकारी बांकुड़ा तक की आगे की यात्रा सड़क मार्ग से करेंगे या हवाई मार्ग से।

धर्म बदलने की वजह से बंधक बनाई गई दो बहनों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दो हिंदू युवतियों के इस्लाम अपनाने की वजह से बंधक बनाकर रखने के आरोपी पिता और राज्य सरकार को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संदीप जैन ने दिया भाटिया उर्फ जोया दिया भाटिया (20) और अंशु भाटिया उर्फ अमीना अंशु भाटिया (35) से जुड़ी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। छह अगस्त को पीठ के समक्ष पेश हुई दोनों बहनों ने बताया कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार किया है। अंशु ने 2020 में और दिया ने 2021 में इस्लाम अपनाया। उन्होंने इस बात से साफ इनकार किया कि उनका निर्णय किसी बल, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, लालच आदि से प्रेरित है।

दोनों बहनों ने आरोप लगाया कि धर्म परिवर्तन के कारण पिता ने उन्हें घर में बंधक बनाकर रखा था। दोनों युवतियों से बातचीत के बाद अदालत ने पाया कि इनके जवाब सहज, सुसंगत और स्पष्ट थे और कहीं से भी ऐसा संकेत नहीं मिला कि इनमें से किसी ने भी दबाव, डर, लालच या अनुचित प्रभाव में आकर धर्म परिवर्तन का निर्णय किया है।

अदालत ने कहा कि दोनों युवती बालिग हैं और उन्हें अपने जीवन से जुड़े निर्णय करने का पूर्ण कानूनी अधिकार है। अदालत ने कहा, जब एक व्यक्ति कानूनन बालिग हो जाता है तो संविधान उसे आस्था, आवास, जुड़ने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रत्येक पहलू पर निर्णय करने का अधिकार देता है। इसमें ना तो ही राज्य और ना ही परिवार हस्तक्षेप कर सकता है। राज्य सरकार ने इस याचिका का यह कहते हुए विरोध किया था कि इन युवतियों के पिता ने बलपूर्वक और धोखे से धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसने दलील दी कि कथित धर्मांतरण एक बड़े संगठित षडयंत्र का हिस्सा है जिसका भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर असर होगा। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उक्त प्राथमिकी में जांच कानून के मुताबिक सख्ती से की जाए और मामले की जांच उसकी टिप्पणियों से अप्रभावित रहेगी। अदालत ने स्पष्ट रूप से पाया कि इन युवतियों को उनके पिता के घर में गैर कानूनी रूप से कैद रखा गया था।

सुविचार

सफलता भाग्य से नहीं, निरंतर प्रयास से मिलती है। हर दिन बेहतर बनने का प्रयास करें, हार से सीखें, और आगे बढ़ते रहें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सरकारी स्कूलों की चिंता या कोरा दिखावा?

इन दिनों कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को देश में सरकारी स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की बहुत चिंता हो रही है। यह चिंता हर विचारशील मनुष्य को होती है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को भी हो रही है, जिन्होंने गांवों में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए देशव्यापी अभियान की घोषणा की है। हाल में कांग्रेस ने अपने फेसबुक पेज पर यह कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीखे सवाल पूछे थे कि देश में रोजाना 25 सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं! ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि सरकारी स्कूलों की चिंता करते हुए कांग्रेस खुद को अकेली न समझे। अभिजीत दीपके दोबारा मोर्चा संभालने आ रहे हैं। सवाल है– क्या सरकारी स्कूलों की दशा रातोंरात बिगड़ गई? जिन राज्यों में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों की सरकारें हैं, क्या वहां सरकारी स्कूल अमेरिका, सिंगापुर, चीन, जापान और जर्मनी के स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं? कांग्रेस के पास सुनहरा मौका है। वह हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी स्कूलों को शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में ऐसा बना दे कि दुनिया देखे तो वाह-वाह करे। इनमें इतनी सुविधाएं दे कि उक्त देशों के बच्चे अपने नाम कटवाकर यहां दाखिला लेने के लिए कतारों में खड़े नजर आएं। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले एक दशक में कई सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। वे बंद क्यों हुए हैं, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर इतना गिर गया कि लोग अपने बच्चों को इनमें भेजना नहीं चाहते हैं। कई सरकारी शिक्षक ऐसे हैं जो हर महीने मोटा वेतन लेते हैं, सरकारी स्कूलों के उत्थान को लेकर बड़े-बड़े भाषण देते हैं, शिक्षा में सुधार की बातें करते हैं, विद्यार्थियों को कथनी-करनी एक रखने का उपदेश देते हैं, लेकिन अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजते हैं।

कमोबेश यही रवैया राजनेताओं का है। जो नेतागण सरकारी स्कूलों के लिए खुद को इतने फिक्रमंद दिखा रहे हैं, जरा यह बताएं कि उनके बच्चे कहां पढ़ते हैं/थे? आज कितने सांसद और विधायक ऐसे हैं, जो अपने निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ने भेजते हैं? यह सवाल सिर्फ कांग्रेस के नेताओं से नहीं है, बल्कि सभी दलों के नेताओं से है। ज्यादातर नेताओं के बच्चे निजी स्कूलों में जाते हैं। कितने ही नेता ऐसे हैं, जो संसद और विधानसभा में अपनी सरकारों का गुणगान करते हुए बताते हैं कि हमने इतने शानदार स्कूल और कॉलेज बना दिए, जबकि उनके बच्चे विदेश रहते हैं, वहीं पढ़ते हैं। अगर सरकारों ने वास्तव में अपने स्कूलों-कॉलेजों में बहुत सुधार कर दिए तो इनका फायदा सिर्फ मजदूर, किसान और आम इन्सान के बच्चों तक सीमित क्यों रहना चाहिए? सांसदों, विधायकों, सरकारी अधिकारियों के बच्चों को भी फायदा मिलना चाहिए! उनके साथ यह भेदभाव नहीं होना चाहिए। दिल्ली में जंतर-मंतर पर जो लोग जेन जी को उसका हक दिलाने के लिए क्रांतिकारी नारे लगा रहे थे, उनके परिवारों के कितने बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं? जो युवा वहां इकट्ठे हुए थे, उनमें से कितने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी रहे हैं? अगर इन सवालों के जवाब ढूंढ़ेंगे तो इस सवाल तक जरूर पहुंचेंगे- सरकारी नौकरी सबको चाहिए, लेकिन सरकारी स्कूल किसको चाहिए? जब लोगों की आर्थिक स्थिति थोड़ी-सी बेहतर हो जाती है तो वे निजी स्कूलों को प्राथमिकता देते हैं। कुछ अपवाद जरूर हो सकते हैं। उनके आधार पर सबके लिए राय नहीं बनाई जा सकती। सरकारी स्कूलों की चौतरफा उपेक्षा की गई, जिसका नतीजा आज सबके सामने है। इन स्कूलों को बंद करने के बजाय बेहतर बनाना चाहिए। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों, खासकर सरकारी शिक्षकों के लिए अपने क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में ही अपने बच्चों को पढ़ाना अनिवार्य होना चाहिए। इसके लिए सरकार को कानूनी रास्ते तलाशने चाहिएं। इस एक उपाय से देश के हजारों सरकारी स्कूलों की दशा सुधर जाएगी।

ट्वीटर टॉक

भगवान शिव की भक्ति के साथ, पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। महादेव की पूजा हमें संयम, सत्य और कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मेरी प्रार्थना है कि देवों के देव सभी के जीवन को मंगलमय बनाएं ।

-ओम बिरला

इतिहास डॉ. मनमोहन सिंह को भारत के सबसे अहम और ईमानदार प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर याद रखेगा।द इंडियन एक्सप्रेस में सोनिया गांधी का आर्टिकल उस सच को बयां करता है जिसे कई लोगों ने नज़रअंदाज़ करना चुना।

-अशोक गहलोत

सभी राज्यवासियों को पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।ङ्कङ्कदेवों के देव महादेव की पूजा और भक्ति से भरा यह पवित्र अवसर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छी सेहत लाए।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सृजन श्रम का सम्मान

हिंदी साहित्य के शिखर पुरुष मुंशी प्रेमचंद स्वयं जीवन भर आर्थिक तंगी से जूझते रहे। उनका अपना प्रेस 'सरस्वती प्रेस' घाटे में चलता था और वे अक्सर कर्ज में डूबे रहते थे। इसके बावजूद जब उन्होंने पत्रिका 'हंस' का संपादन शुरू किया, तो उन्होंने एक सिद्धांत तय कियापत्रिका में लिखने वाले हर लेखक को समय पर और उचित मानदेय दिया जाएगा, चाहे पत्रिका को कितना भी आर्थिक नुकसान क्यों न उठाना पड़े। उस दौर में अधिकांश प्रकाशक नए और अनजान लेखकों से मुफ्त में या बेहद कम पैसों में रचनाएं ले लेते थे, यह मानकर कि छपना ही सम्मान है, पैसा नहीं चाहिए। प्रेमचंद इस प्रवृत्ति के सख्त विरोधी थे। वे मानते थे कि लेखन भी श्रम है और श्रम का मूल्य मिलना लेखक का अधिकार है, भीख नहीं। इसी सोच को उन्होंने 1936 में लखनऊ में हुई प्रगतिशील लेखक संघ की पहली बैठक के अपने अध्यक्षीय भाषण में भी रखा, जिसमें उन्होंने साहित्य को समाज की सेवा का माध्यम बताते हुए यह भी स्पष्ट किया कि लेखक की आर्थिक गरिमा की रक्षा करना समाज और प्रकाशकों दोनों का दायित्व है।

सामयिक

छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड क्यों?

महेन्द्र तिवारी

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे भारत में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया। समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है। लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है।

ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहां छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया।

अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का विषय बन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेसहारा छोड़ देना है?

जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। लेकिन हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक एक पैसा, और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता।

यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिपके को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। लेकिन उपलब्ध ताजा सूचनाएं और जमीनी तथ्य स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वे पूरी तरह से चुप नहीं बैठे हैं। उन्होंने रांची के छात्रों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से अपनी एकजुटता जताई है और उनके संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल भी स्थिति का जायजा लेने तथा समर्थन देने के लिए रांची पहुंच चुका है। इसलिए बिना पूरे तथ्य जाने केवल यह कह देना कि वे पूरी तरह से गायब हो गए हैं या उन्होंने इस प्रांतीय मुद्दे से अपनी आंखें मूंद ली हैं, पूरी तरह से न्यायसंगत नहीं होगा। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। दिल्ली के आंदोलन में जिस आक्रामकता, व्यापक दृश्यता और राष्ट्रीय स्तर की लामबंदी का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला था, क्या वही ऊर्जा और वही उत्साह रांची के छात्रों के लिए भी दिखाई दे रहा है?

यदि इसका उत्तर नहीं है, तो हमें रुककर इसके मूल कारणों पर बहुत गहराई से विचार करना होगा। यहीं से यह सवाल भी जन्म लेता है कि क्या दिल्ली का वह चर्चित आंदोलन किसी विशेष राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित था या क्या यह कोई षड्यंत्र था? लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में षड्यंत्र का आरोप हमेशा ठोस प्रमाण मांगता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बपौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है।

परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसलिए आज यह सवाल उन तमाम नामी हस्तियों, साहित्यकारों, अभिनेताओं और विचारकों से भी है जो दिल्ली में छात्रों की बुलंद आवाज बन रहे थे। यह सवाल उन सभी राजनीतिक शक्तियों से भी है जो अपनी सुविधा और अपने चुनावी गणित के अनुसार छात्र आंदोलनों को अपना समर्थन देते हुए दिखाई देते हैं। देश के छात्रों को किसी के उपकार या झूठी सहानुभूति की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल एक निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, एक पारदर्शी व्यवस्था तथा अपने भविष्य के प्रति सच्चा न्याय चाहिए।

यदि कोई आंदोलन सचमुच छात्रों के कल्याण के लिए है, तो उसकी अग्नि का ताप देश की राजधानी दिल्ली से लेकर झारखंड की राजधानी रांची तक बिल्कुल एक समान होना चाहिए। वरना आने वाली पीढ़ियां इतिहास के पन्नों में यही सवाल पूछेंगी कि क्या उस दौर में उठी आवाजें वास्तव में छात्रों के उज्वल भविष्य के लिए उठी थीं, या फिर वे केवल किसी खास राजनीतिक मौसम का फायदा उठाने के लिए रची गई एक सुविधाजनक पटकथा का हिस्सा मात्र थीं।

नजरिया

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें।

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा।

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें।

आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है।

इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आईटीआई लि. और एयरटेल बिज़नेस ने रणनीतिक साझेदारी की

देश में 'डिजिटल बदलाव' को तेज़ करने के लिए मिलाया हाथ

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। आईटीआई लिमिटेड और एयरटेल बिज़नेस ने एक रणनीतिक साझेदारी की है। इसका मकसद भारत में कंपनियों को उनके डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेज़ी लाने और वृद्धि, मज़बूती और इनोवेशन के नए मौके खोजने में मदद करना है। देशभर की कंपनियां डिजिटल विकास और तरक्की के साथ अपने डिजिटलीकरण को आगे बढ़ा रही हैं। यह सहयोग आईटीआई लि. और एयरटेल बिज़नेस की खूबियों और इंजीनियरिंग में बेहतरीन क्षमता को एकसाथ लाएगा। इससे सिस्टम को आधुनिक बनाने, कामकाज की क्षमता बेहतर करने, सुरक्षा मजबूत करने और बिज़नेस की बदलती ज़रूरतों पर तेज़ी से प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी।

यह साझेदारी एंटरप्राइज़ कनेक्टिविटी, डेटा सेंटर और सॉवरेन क्लाउड सर्विसेज़, आईओटी, एआई-पावर्ड सॉल्यूशंस, लियो सैटेलाइट सर्विसेज़, साइबर सिक्योरिटी और अन्य क्षेत्रों में भविष्य के लिए तैयार और स्केलेबल डिजिटल सॉल्यूशंस के एक इंटीग्रेटेड सेट के ज़रिए पुरानी जटिलताओं से उबरने, डिजिटल क्षमता को मज़बूत करने और विकास के नए अवसरों को पाने के लिए भविष्य के अनुकूल तैयारी करने में सक्षम बनाएगी। आईटीआई लि. के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'इस खास मौके पर हम बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि आईटीआई लि. और भारती एयरटेल लि. ने अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक सेवाएं और समाधान देने के लिए यह एमओयू किया है।'

उन्होंने कहा, 'यह सहयोग दोनों संगठनों की बिज़नेस ओरिएंटेशन, ग्राहकों तक पहुंच और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं जैसी एक-दूसरे की खूबियों का इस्तेमाल करते हुए, ग्राहकों की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, हर जगह मौजूद और तेज़ कनेक्टिविटी, हाइपर-स्केल डेटा सेंटर, साइबर-सिक्योरिटी समाधान, आईओटी और कई ज़रूरतों की संयुक्त रूप से पहचान करने और उन्हें पूरा करने का रास्ता साफ़ करेगा।' एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत डिजिटल विकास के अगले चरण की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है, एक ऐसा आधार तैयार करना ज़रूरी है जो मज़बूत और सुरक्षित हो, और सभी नियमों का पालन करता हो।' उन्होंने कहा, 'देशभर की कंपनियों के भरोसेमंद साझेदार के तौर पर एयरटेल बिज़नेस ने लगातार उनकी मुश्किलों को आसान बनाने, पुराने सिस्टम को बदलने और बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण को अपनाने में मदद की है। आज हमें आईटीआई लि. के साथ साझेदारी करते हुए खुशी हो रही है। हमारा साझा लक्ष्य ऐसे तकनीकी समाधान करना है जो भविष्य के लिए तैयार हों, बिज़नेस की निरंतरता को मज़बूत करें, इनोवेशन को बढ़ावा दें और भारत के सुरक्षित डिजिटल-फ़र्स्ट भविष्य में सहयोग दें।'

तिरंगा यात्रा

01-गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे, जल संसाधन मंत्री सुभाष शिरोडकर, सिओलिम विधायक डेलिलाह लोबो और मयेम विधायक प्रेमेंद्र शेट ने छात्रों एवं स्थानीय निवासियों के साथ 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में भाग लिया।

शिल्पा शेट्टी ने शेयर किया योग का वीडियो, कहा-आसान लगे तो करके दिखाइए

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हेल्दी लाइफस्टाइल को काफी जोर देती है और सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को भी इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती रहती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए अपने एक बार फिर योगा के प्रति मोटिवेट करने की कोशिश की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की।

इसमें वे बद्ध मलासना करती नजर आ रही हैं। वीडियो अभिनेत्री शांति से फोकस करते हुए बद्ध मलासना कर रही हैं। वीडियो पोस्ट कर शिल्पा ने लिखा, अगर ये करने में मुश्किल लग रहा है तो समझो आपका शरीर आपसे कुछ कहना चाह रहा है और अगर आसान लग रहा है तो करके देखो, क्योंकि ये आसान नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, अब बारी है अपनी सैक्रोइलियक जोड़, पैल्विक की मांसपेशियों, घुटनों और टखनों की फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने की। चलो देखते हैं कि कितने लोग ये चैलेंज कर पाते हैं। शिल्पा शेट्टी द्वारा किए गए पोज का नाम बद्धा मलासन है, जिसे अंग्रेजी में बाउंड गार्लैंड पोज कहते हैं। यह योग की एक गहरी मुद्रा है, जो सामान्य मलासन का उन्नत रूप है जिसमें हाथों को पैरों के चारों ओर लपेटकर बंधी हुई स्थिति बनाई जाती है। य

ह कूल्हों को खोलने, रीढ़ को मजबूत करने और पाचन अंगों की मालिश करने के लिए बहुत उपयोगी है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी – द डेविल' में नजर आईं थी। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म 1970 और 1980 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें शिल्पा शेट्टी ने 'सत्यवती' नाम का एक दमदार और रेट्रो किरदार निभाया है। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानैया, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी थीं। फिल्म का संगीत अर्जुन जन्या ने बनाया था, जबकि सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग विलियम डेविड और संकेत अचार ने की थी।

जलवायु परिवर्तन होने से हिमालय में अत्यधिक बारिश हो रही, मानवीय गतिविधियों से जोखिम बढ़ रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक बारिश हो रही है, जबकि मानवीय गतिविधियों से जुड़े कारक आपदा के जोखिम को और बढ़ा रहे हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उनसे यह प्रश्न पूछा गया था कि क्या जलवायु परिवर्तन और अवैज्ञानिक निर्माण गतिविधियां हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं और अन्य आपदाओं के बढ़ने में भूमिका निभा रही हैं। राय ने कहा कि बहु क्षेत्रीय केंद्रीय दल के एक अध्ययन के अनुसार, इस इलाके में बढ़ते जोखिम के लिए मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं।

मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़ आने, भूस्खलन और अत्यधिक बारिश की घटनाओं के बढ़ते मामलों और उनकी तीव्रता को देखते हुए इस दल का गठन किया था। इस दल को राज्य में मौसम की चरम घटनाओं के बढ़ने के कारणों का वैज्ञानिक आकलन करने का काम सौंपा गया है।

अजय देवगन करेंगे 'क्राइम पेट्रोल 2026' की मेजबानी, 31 से होगा प्रसारण

मुंबई/भाषा। अभिनेता अजय देवगन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के बहुचर्चित शो 'क्राइम पेट्रोल' के नए सीजन में मेजबान (होस्ट) की भूमिका संभालने जा रहे हैं। इस सीजन का प्रीमियर 31 अगस्त को होगा।

'क्राइम पेट्रोल 2026 - क्राइम का करेंट सीजन' नाम से आने वाला यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर रात 10:30 बजे प्रसारित होगा और सोनी लिव पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो में अभिनेता दर्शकों से सीधे संवाद करते नजर आते हैं। वह उनसे डर के साये में रहने के बजाय अपराध की वास्तविकताओं के बीच अधिक सतर्क रहने की अपील करते हैं।

पीओके चुनाव : दो पूर्व 'प्रधानमंत्री' हारे, पीएमएल-एन बनाएगी सरकार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए चुनाव के तीसरे चरण में दो पूर्व तथाकथित प्रधानमंत्रियों को अपने गढ़ में हार का सामना करना पड़ा है। मंगलवार को जारी अनौपचारिक नतीजों से यह जानकारी मिली। हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच संपन्न हुए इन चुनावों में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के फैसल मुमताज राठौड़ अपनी सीट बचाने में सफल रहे, जो वर्तमान में इस क्षेत्र के शीर्ष नेता हैं। अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, पीपीपी ने दो सीट जीती हैं, जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और अवामी दस्त-ओ-बाजू पार्टी को एक-एक सीट मिली है।

सोमवार को समाप्त हुए तीसरे चरण में 11 में से चार निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते बाकी सात सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया। पीओके की तथाकथित विधानसभा के पहले और दूसरे चरण के चुनाव क्रमशः 27 जुलाई और दो अगस्त को हुए थे, जिनमें बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन हुए थे और धांधली के आरोप लगे थे। स्थानीय निर्वाचन आयोग के अनुसार, शेष सीट पर 21 अगस्त को मतदान होने की संभावना है। हारने वाले पूर्व नेताओं में ''पूर्व प्रधानमंत्री'' एवं मुस्लिम कांफ्रेंस के प्रमुख सरदार अतीक अहमद खान शामिल हैं, जिन्हें एलए-14 (पश्चिम बाग, धीरकोट) सीट पर अवामी दस्त-ओ-बाजू पार्टी के सरदार साजिद इकबाल ने हराया। वहीं एलए-15 (सेंट्रल बाग) सीट पीपीपी उम्मीदवार जिया कमर ने बरकरार रखी। उन्हें 16,637 वोट मिले और उन्होंने मामूली अंतर से पीएमएल-एन उम्मीदवार मुश्ताक मिन्हास को हराया, जिन्हें 15,015 वोट मिले। इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी में शामिल हुए पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को केवल कुछ हजार वोट ही मिल सके।

जिमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर कर खुश हुई दीया मिर्जा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हालिया रिलीज वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ के किरदार में नजर आ रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अभिनेता जिमी शेरगिल के समेत कई लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए बड़ी बात है, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार जताया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार हम किरदार नहीं चुनते, बल्कि किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कमल मैम आपका शुक्रिया। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। 6 एपिसोड की एक हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में जिमी शेरगिल ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का किरदार निभाया है। सीरीज में दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन महिलाओं के अनकहे बलिदानों और ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो अपने पतियों को मुस्कुराकर देश की रक्षा के लिए भेजती हैं। सीरीज में युद्ध के मैदान के साथ-साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनावों (जैसे भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच की हलचल) का भी यथार्थवादी चित्रण किया गया है।

सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ऐतिहासिक और साहसी हवाई ऑपरेशन पर आधारित है। सीरीज में दीया और जिमी शेरगिल के अलावा, सिद्धार्थ, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं।

प्रतियोगिता

पटना वीमेंस कॉलेज में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता से पहले तिरंगा थीम वाली पोशाक में पोज़ देती छात्राएं।

'लॉक अप' सीजन 2 की विजेता श्रेया कालरा की विक्ट्री पार्टी में शामिल हुए अभिनेता सुयश राय और किश्वर मर्चेंट।

अर्जुन कपूर ने शेयर की लंदन डायरीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से लंदन में बिताए गए पलों की झलकियां शेयर कीं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे बहन जाह्नवी कपूर समेत कई लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में अर्जुन को एक रेस्टोरेंट में बैठे देखा जा सकता है, जो प्लेटों और ड्रिंक्स से भरी एक टेबल के सामने पोज दे रहे हैं। अगली तस्वीर में एक्टर सूट में नजर आ रहे हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में वे बहन जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में अभिनेता की लंदन डायरीज शामिल हैं।

अभिनेता ने पोस्ट शेयर कर लिखा, लंदन की गर्मियों की एक पारी पूरा कर ली।अभिनेता की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि, फैंस ये कयास भी लगा रहे हैं कि अभिनेता की ये पोस्ट लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई मैच के दौरान का है।

दरअसल, जान्हवी कपूर और अर्जुन कपूर को हाल ही में लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई देखने के लिए थे। दोनों ने शानदार फॉर्मल लुक में ट्विन किया, जिसमें जान्हवी ने एक रिच चॉकलेट-ब्राउन, डबल-ब्रेस्टेड ब्लेजर चुना। वहीं, अर्जुन कपूर ने गहरे नेवी-ब्लू शेड का सिंगल-ब्रेस्टेड सूट जैकेट पहना था।

अर्जुन और जान्हवी के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और उन्हें कई मौकों पर एक-दूसरे को सपोर्ट करते देखा गया है। अर्जुन कपूर और जान्हवी कपूर सौतेले भाई-बहन हैं। फिल्ममेकर बोनी कपूर उनके पिता हैं। अर्जुन, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी स्वर्गीय मोना शौरी कपूर के बेटे हैं, जबकि जान्हवी बोनी की दूसरी पत्नी दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी हैं। 2018 में जान्हवी की मां श्रीदेवी की मौत के बाद अर्जुन और जान्हवी का रिश्ता और मजबूत हो गया। हालांकि भाई-बहन अलग-अलग पले-बढ़े थे, लेकिन अर्जुन और उनकी बहन अंशुला कपूर मुश्किल समय में जान्हवी और खुशी के लिए एक अहम सपोर्ट बने।

'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू

हैदराबाद/एजेन्सी

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को लेकर फैंस के बीच काफी समय से उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं। फिल्म को लेकर पहले ही विजय सेतुपति के लुक ने खूब ध्यान खींचा था। अब मेकर्स ने अभिनेत्री तब्बू के किरदार की झलक जारी कर दी है। सोमवार को फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर तब्बू के किरदार का एक खास वीडियो जारी किया, जिसे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने तब्बू को भारतीय सिनेमा का अनमोल रत्न बताते हुए फिल्म में उनके किरदार की जानकारी दी। वीडियो में तब्बू 'गौरी हेगड़े' के रूप में नजर आ रही हैं। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पेश किया गया है, जो निडर है, ताकतवर है और किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटती।

वीडियो की शुरुआत तब्बू के किरदार को 'पावरफुल ऑफिसर' के तौर पर पेश करने से होती है। इसके बाद वीडियो में उनके कई एक्शन से भरपूर सीन दिखाई देते हैं। तब्बू का किरदार लोगों को धमकाता और थप्पड़ मारता नजर आता है। उनके चेहरे के हाव-भाव और बातचीत का अंदाज भी काफी सख्त है।वीडियो में एक सीन खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचता है, जिसमें तब्बू विजय सेतुपति के किरदार से बात करती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं, 'हमारे स्टाइल में पहले गोली चलाते हैं और फिर बात करते हैं।'वीडियो के आखिर में तब्बू के किरदार की पहचान सामने आती है। वह बताती हैं कि उनका नाम गौरी हेगड़े है और वह इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं।तब्बू के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ा दी है। दर्शक अब यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गौरी हेगड़े का किरदार विजय सेतुपति की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा।फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है। फिल्म के अलग-अलग भाषाओं वाले वर्जन पर भी काम किया जा रहा है, ताकि इसे बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा सके।फिल्म का निर्माण पुरी जगन्नाथ अपने प्रोडक्शन बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत कर रहे हैं। इसे चार्मी कौर, जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रूला के सहयोग से पेश किया जा रहा है। फिल्म में विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में दर्शकों के सामने आएगी।

जीवन में ज्ञान का प्रकाश और संयम रूपी ब्रेक होना आवश्यक : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी के गतिमान गुरुकृपा चातुर्मास के अंतर्गत मंगलवार को प्रवचन देते हुए मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि जीवन में ज्ञान का प्रकाश और संयम रूपी ब्रेक होना जरूरी है। पांचों इंद्रियों के विषयों में लुप्त होकर जीव नाना प्रकार के दुःख भोगता है। जगत के भौतिक सुख-साधन सामग्री देखकर मन चंचल होता है। इंद्रियाँ काबू से बाहर होने लगती हैं, किंतु भौतिक साधनों से मन और इंद्रियों को तृप्त नहीं किया जा सकता। जीवन में संयम हो तो मन की चंचलता को जीता जा सकता है। हमें इंद्रियों की गुलामी नहीं करनी बल्कि उन्हें अपने अधीन बनाना है। जब तक संसार में पर पदार्थों के प्रति आसक्ति भाव कम नहीं करेंगे तब तक इंद्रिय विजेता नहीं बन पाएंगे ।

मुनिश्री ने समझाया कि अनादिकाल के गाढ़ संस्कारों को शिथिल करने के लिए संयम को जीवन व्यवहार में लागू करना आवश्यक है। अनावश्यक बोलने, देखने, सोचने और शारीरिक क्रियाएं करने पर विराम लगाना

होगा। जितना जरूरी हो उतना ही बोलेंगे तो वाणी का संयम आएगा और जितना जरूरी हो उतना ही देखेंगे तो आंखों पर संयम आएगा। आज का व्यक्ति असंयमित जीवन जीने के कारण अवसाद में फंसा हुआ है। उसे अपने जीवन के कुछ नियम बनाने जरूरी हैं। अनुशासन का पालन करना आवश्यक है। मन को परमात्मा में जोड़ने से चंचलता मिटती है।

जब हम अपने मन को प्रभु के नाम और गुणों से भावित करते हैं तब आभामंडल प्रभावशाली तथा पवित्र बनता है। जैसा आभा मंडल होता है, उसका वैसा ही प्रभाव जड़ और चेतन पर भी पड़ता है, अतः हमें मन और इंद्रियों को परमात्मा के स्मरण में जोड़कर संसार में रहना चाहिए। इससे मन, तन और आत्मा में शांति का निवास होगा।

प्रवचन के दौरान अंबाला, मौलाना (हरियाणा), काकीनाड़ा (आंध्र प्रदेश), लुधियाना (पंजाब), कनाडा आदि से आए हुए गुरुभक्तों का स्वागत किया गया।

दोपहर ढाई बजे संगीत के साथ भव्य स्नात्र महोत्सव मनाया गया, जिसमें आराधकों ने खूब भक्ति का आनंद लिया। 17 अगस्त को आयोजित होने वाले संक्रांति समारोह में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के शामिल होने के संदर्भ में मंगलवार को ही उनके पीए अमरीश व कमल कुमार ने गुरु दर्शन कर आवश्यक चर्चा की।

मृत्यु से डरना नहीं चाहिए, डरना कायरता की निशानी : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को प्रवचन में कहा कि इंसान को एक दिन दुनिया से जाना पड़ेगा, जो भी इंसान जन्मा है उसकी मृत्यु निश्चित है। मृत्यु से डरना नहीं चाहिए। डरना कायरता की निशानी है।महापुरुष कभी भी मृत्यु से नहीं डरते। ज्ञानी व्यक्ति को मृत्यु से डर नहीं लगता। मृत्यु से डरो मत, जिंदगी ऐसी बनाओ कि दुनिया आपको याद रखे। हमारे शरीर का कोई भरोसा नहीं, कभी भी साथ छोड़ सकता है। परंतु अगर आप अच्छे इंसान बनाना चाहेंगे तो आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा क्योंकि आप हमेशा अपने आप पर भरोसा कर पुरुषार्थ की तरफ़ क़दम बढ़ाएँगे। ङ्गलोकेशमुनिजी ने कहा कि जिस प्रकार किसी वस्तु को देखने के लिए प्रकाश की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वाध्याय को पाने के लिए वाचना की आवश्यकता होती है। वाचना का मतलब व्याख्यान होता है, सवाल-जवाब करने से ज्ञान बढ़ता है। गौतम स्वामी ने भी भगवान महावीर स्वामी से बहुत सारे सवाल पूछे थे जिनके समाधान से हम आज भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। संघ के मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

आरआर नगर तेरापंथ भवन में धर्म की दो धाराओं का हुआ आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में मंगलवार को ओंकार आश्रम महासंस्थान के स्वामी मधुसूदनानन्द पुरीजी ने भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आकाश कुमार जी के साथ आध्यात्मिक मिलन किया। इस मौके पर मुनिश्री ने आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा के 3 मुख्य उद्देश्यों में से एक उद्देश्य सद्भावना का विकासका वर्णन करते हुए कहा कि उनकी यात्रा के दौरान समय समय पर अनेक सम्प्रदायों के प्रतिनिधियों से आध्यात्मिक मिलन होता रहा। मुनिश्री ने कहा कि भारतवर्ष में ऋषि-मुनि परंपरा अनादिकाल से चली आ रही है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने इस ऋषि-मुनियों की धरती पर जन्म लिया। आज भी विज्ञान रिसर्च करता है, रिसर्च का अर्थ है जो पूर्व में रहा है उसको पुनः खोजना। व्यक्ति को सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

नकारात्मकता आगे बढ़ने के राह में अवरोध उत्पन्न करती है। ङ्गस्वामी मधुसूदनानन्द पुरीजी ने राजराजेश्वरी नगर को देवी मां के वरदान से विकसित भूमि बताया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचारधाराओं को ही दर्शन कहते हैं। मंजिल सबकी एक ही है मोक्ष। इसके लिए सबसे पहले हमें स्वयं को जानना होगा और उसे जानने का मार्ग ही सन्मार्ग है और यह सत्संग से ही प्राप्त होता है। ङ्गसभाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने संतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर मंत्री अमित नौलखा, ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष सरल पटावरी, मंत्री संदीप बैद, तेमम की अध्यक्ष मंजू बोथरा ने स्वामी मधुसूदनानन्द पुरी जी एवं स्वामी आत्मनिष्ठानंद जी का सम्मान किया। मंच संचालन मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने किया।

जीतो साउथ चैप्टर ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ की 'इंटरेक्टिव बिजनेस मीट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेश (जीतो) साउथ चैप्टर द्वारा रविवार को एक होटल में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ इंटरेक्टिव बिजनेस मीट का आयोजन किया गया जिसमें जीतो के 71 सदस्य व उद्योगपति उपस्थित थे।

चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि हम बेंगलूरु और कर्नाटक के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, साथ ही अपनी जन्मभूमि राजस्थान के विकास के लिए भी उतने ही तत्पर हैं। हमारे लिए जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के उच्च-स्तरीय संवाद राजस्थान और कर्नाटक के बीच व्यापारिक एवं औद्योगिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने तथा नए निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रनिर्माण में जैन समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने जीतो सदस्यों को राजस्थान में विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, वस्त्र एवं कृषि प्रसंस्करण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश एवं व्यापार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने जीतो सदस्यों को राजस्थान में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया और राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि नए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए भूमि, बुनियादी ढाँचा एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ रियायती दरों पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान सरकार निवेशकों के लिए सिंगल-विंडो क्लीयरेंस एवं नीतिगत सहयोग के माध्यम से एक व्यापार-अनुकूल एवं निवेशक हितैषी वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीतो अपेक्स व बेंगलूरु चैप्टर के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने मुख्यमंत्री से जोधपुर एवं उसके आसपास उद्योग स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार करने का अनुरोध किया। सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों एवं सरकारी प्रोत्साहनों पर चर्चा करते हुए एक इंटरेक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में भी भाग लिया। मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने धन्यवाद दिया।

माँ जीण भवानी का झूलोत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीण माँ के दीवाने के सदस्यों ने रविवार को केआर पुरम स्थित ओमप्रकाश-रीना चौधरी के निवास पर जीण भवानी का झूलोत्सव मनाया। इस अवसर पर संगीतमय मंगलपाठ किया गया तथा उत्सव में स्थानीय गायक हिमांशु मंत्री, अंकिता मंत्री, रिंकू खंडेलवाल एवं स्वाति शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी व मंगलपाठ किया। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल ने 6 सितम्बर को आयोजित संस्था के तीसरे वार्षिकोत्सव की भी जानकारी दी।झूलोत्सव में संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

कर्नाटक कार्यरत पत्रकार संगठन द्वारा मंगलवार को पुष्पा बैरेगौड़ा सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मेलन में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए राज्य अध्यक्ष मल्लिकार्जुन एवं अन्य।

हमारे ध्यान का अंतिम लक्ष्य हो अन्तर्मन की शांति, दिव्य आनन्द की अनुभूति : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि शांति के साथ सुविधाएं मिलना बेहतर है, बजाय सुविधाओं के साथ अशांति मिले। हमारे ध्यान का अंतिम लक्ष्य हमारे अन्तर्मन की शांति, शुद्धि, दिव्य आनन्द की अनुभूति और स्व दर्शन में एकाग्र बनना है। आज ही के दिन श्रावण वदी चतुर्दशी के दिन परमात्मा महावीर के निर्वाण के कुछ वर्षों पश्चात राजस्थान के उपकेशपुर (ओसियां) में ओसवाल वंश की उत्पत्ति हुई थी। महावीर के समय में मूलतः ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और क्षुद्र चार वर्ण ही थे, यही जातियां मानी जाती थीं। परमात्मा के समवशरण में चारों जातियों के लोग उपस्थित होते थे। परमात्मा स्वयं क्षत्रिय थे, प्रथम गणधर गौतम स्वामी ब्राह्मण थे। हरिकेश बल क्षुद्र थे।

सभी को पढाने, विद्या अर्पण और संस्कारवान बनाने का दायित्व ब्राह्मणों को दिया गया था। क्षत्रिय जाति को समाज की सुरक्षा करने का दायित्व था। वैश्य जाति को व्यापार करने और सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति की ज़िम्मेदारी थी। उस समय चाहत की भावना किसी के भी मन में नहीं थी। तब तक सामाजिक व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही थी। ऐसे समय में चमत्कार के नाम पर बलि प्रथा प्रारम्भ हुई थी। उस समय रत्नप्रभसूरीजी ओसियां गांव पधारे जहां देवी को मनुष्य और पशु बलि चढ़ती थी। उन्होनें देवी की आराधना और निवेदन करके दो वरदान प्राप्त किए जिनमें पहला जीवों की बलि नहीं चढाने का और दूसरा ओसवाल वंश की स्थापना करके जो लोग जिनशासन से भटक गए हैं, उन्हें देवी की सहायता से पुनः जिनशासन में स्थापित करने का वरदान प्राप्त किया और अन्धविश्वास को दूर करके देवी द्वारा अनेक गोत्रों की कुलदेवी बनीं। आचार्य रत्नप्रभसूरी जी ने यहाँ के तत्कालीन राजा उपलदेव और क्षत्रिय राजपूतों को जैन धर्म का उपदेश दिया था, जिसके बाद इस राजवंश व समाज की उत्पत्ति हुई।

किसी के प्रति भी वैर भाव मत रखो : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि आत्म भाव में रमण करने वाला साधक उपशात भावों को अपने जीवन में अपना कर अपनी जीवन रूपी बगिया को स्वच्छ, सुन्दर, कर्म मैल से साफ हो कर, शांत, सुखी, समृद्ध, खुशहाल जीवन यापन कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को किसी के प्रति भी वैर विरोध, द्वेष का भाव नहीं रखना चाहिए। जगत के सभी जीवों के प्रति समतामूलक, समभाव, मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।ङ्गसाध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचरांग सूत्र के माध्यम से कर्मवाद पर कहा कि परिग्रह महाभय, पाप का दलदल और अशरण रूप है। परिग्रह ही सब दुख का मूल और जीव के संसार परिभ्रमण को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को हमेशा अपने जीवन में गुण दृष्टि रखने वाला बनना चाहिए। वाणी में मिठास मधुरता रखना चाहिए।

हैदराबाद में जैन ओसवाल वंश का स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी व गणिवर्य पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में जैन ओसवाल वंश का 2483वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को मनाया गया। समारोह में कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से भी सैकड़ों भक्तगण शामिल हुए। इस अवसर पर पोरवाल व श्रीमाली जैन जातियों के उद्भव और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को भी प्रस्तुत कर पूर्वजों को भावांजलि अर्पित की गई। ङ्गङ्गविमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्तमान में देश और विदेश में बसी ओसवाल, पोरवाल और श्रीमाली ये तीन प्रमुख जातियां ही जैनधर्म का प्रतिनिधित्व करती हैं। करीब नब्बे प्रतिशत जैन इन्हीं तीन जातियों के हैं, जिनके पूर्वज राजपूत और ब्राह्मण से जैन बने थे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को पतन से बचाए और उन्नति के पथ पर ले जाए, वह धर्मतत्व सभी के लिए कल्याणकारी है। अपनी मान्यता में लोगों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रलोभन या तलवार के डर से धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। ऐसा धर्मांतरण न्यायोचित तो नहीं है, मानवता के लिए कलंक भी है। उन्होंने बताया कि उस समय सभी राजपूतों के लिए प्राग्वाड़ (पोरवाल) और ब्राह्मणों के लिए श्रीमाली जैन जातियों की स्थापना हुई। आज आधे से अधिक गुजराती श्रीमाली जैन हैं। वर्तमान में ओसवाल सबसे बड़ी जैन जाति हैं, देश-विदेश में जिसकी संख्या पच्चीस लाख से अधिक है। जैन परंपरा ज्ञान का मार्ग है। लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। भक्ति संगीत के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दोनों उपकारी आचार्यों का अक्षत से स्वागत किया।

परिस्थितियों को नहीं, स्वयं की मनोस्थिति बदलना आवश्यक : मुनिश्री वीरसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में आयोजित अपने प्रवचन में मुनिश्री वीरसागर जी ने मंगलवार को कहा कि मनुष्य अपने जीवन की समस्याओं का समाधान प्रायः बाहरी परिस्थितियों और अपने आसपास के लोगों को बदलकर खोजता रहता है, जबकि वास्तविक परिवर्तन का आरंभ स्वयं की मनोस्थिति को बदलने से होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में स्थायी शांति, संतोष और आत्मिक उन्नति तभी संभव है, जब व्यक्ति अपने भीतर झाँककर अपने विचारों, भावनाओं, आसक्तियों, क्रोध और अहंकार को पहचानने तथा उनमें परिवर्तन करने का प्रयास करे। मनुष्य के आंतरिक विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक अहंकार है। अहंकार व्यक्ति को उसके वास्तविक स्वरूप से दूर कर देता है और उसे अपनी भूलों तथा कमियों को स्वीकार करने से रोकता है। केवल औपचारिक रूप से किसी को धन्यवाद दे देना वास्तविक कृतज्ञता नहीं है। सच्ची कृतज्ञता वह आंतरिक भावना है, जो व्यक्ति की सोच, भावनाओं और जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन उत्पन्न करती है।ङ्गङ्गमुनि श्री ने कहा कि आत्मपरिवर्तन के लिए सबसे पहले स्वयं के प्रति ईमानदार होना आवश्यक है। जैन दर्शन में प्रतिक्रमण केवल अपनी भूलों को स्मरण करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण और आत्मशुद्धि का माध्यम है। व्यक्ति जब अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, आसक्ति और अहंकार को स्वीकार करता है, तभी वह उनसे मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। क्षमा को कृतज्ञता और अहंकार-मुक्ति का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि व्यक्ति को केवल अपने परिचितों या मनुष्यों से ही क्षमा नहीं माँगनी चाहिए, बल्कि सभी जीवों के प्रति अपने मन में क्षमाभाव उत्पन्न करना चाहिए। जब व्यक्ति अपनी भूलों को स्वीकार करता है और दूसरों के प्रति भी क्षमा का भाव रखता है, तब उसके भीतर संचित मानसिक तनाव और नकारात्मक भाव धीरे-धीरे कम होने लगते हैं।

श्वेतांबर जैन समाज की विभिन्न मांगों को लेकर केपीसीसी अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक श्वेतांबर जैन फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने श्वेतांबर जैन समाज की विभिन्न मांगों एवं अधिकारों को लेकर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से भी मुलाकात कर समाज की समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। ज्ञापन में अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त होने के बावजूद श्वेतांबर जैन समाज को आरक्षण एवं रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है उसे दिलवाने की, आवश्यक प्रमाणपत्र जारी करने, साधु-साध्वियों के लिए उचित आवास, जैन विकास निगम की स्थापना एवं समाज के लिए भवन उपलब्ध कराने, जैन विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा तथा जैन तीर्थों के लिए सब्सिडी उपलब्ध कराने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल में सिद्धार्थ जैन, कोमल जैन, रेणु रांका, डीसी जैन, लाभेश कांसवा, काविश नवेदिया आदि शामिल थे।

लेबनान में मृत्युदंड सजा समाप्त

बेरूत/एपी। लेबनान की संसद ने मंगलवार को मृत्युदंड को समाप्त कर दिया और इस तरह यह मौत की सजा को कठोर परिश्रम के साथ उम्रकैद की सजा में बदलने वाला अरब का पहला देश बन गया है। भूमध्य सागर के पास स्थित इस छोटे से देश ने जनवरी 2004 से मौत की सजा पर अनौपचारिक रोक लगाने का फैसला कर रखा है। हालांकि, तब से मौत की सजा के दर्जनों आदेश जारी किए जाते रहे, लेकिन बाद में उन्हें निलंबित कर दिया गया या कम सजा में बदल दिया गया। लेबनान की 128 सदस्यीय संसद ने मृत्युदंड को समाप्त करने के फैसले पर बहुमत से निर्णय लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**